सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 15 अंक - 327 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 10 सितंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

उप मुख्यमंत्री साव अध्ययन दौरे पर अमेरिका रवाना

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव एशियन डेवलपमेंट बैंक के आमंत्रण पर नौ दिवसीय अध्ययन दौरे पर सोमवार की देर रात अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह भी उनके साथ जा रहे हैं। दोनों सोमवार रात साढ़े 11 बजे की नई दिल्ली-न्यूयॉर्क फ्लाइट से अमेरिका के लिए रवाना हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव अपने अमेरिका अध्ययन प्रवास के दौरान न्यूयॉर्क, वाशिंगटन, केलिफोर्निया और सेन फ्रांसिस्को में सड़क परियोजनाओं का भ्रमण करेंगे और सड़क निर्माण तकनीकों की जानकारी लेंगे। वे इस दौरान एशियन डेवलपमेंट बैंक द्वारा आयोजित कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण में भी हिस्सा लेंगे। वे वहां उन्नत सड़क परियोजनाओं के साथ ही अच्छी गुणवत्ता के सड़क निर्माण और छत्तीसगढ़ में इन्हें लागू करने के संबंध में चर्चा करेंगे। श्री साव 18 सितम्बर को वापस भारत लौटेंगे।

दामिनी एप्प करेगा आकाशीय बिजली से अलर्ट, मोबाइल एप्प डाउनलोड करने की अपील

रायपुर। आकाशीय बिजली घटित होने के कारण जन एवं पशु हानि की घटनाओं से निपटने हेतु भारत सरकार द्वारा दामिनी एप्प विकसित किया गया है। इस मोबाइल एप्प से आकाशीय बिजली घटित होने की पूर्वानुमान(20 से 31 किलोमीटर का दायरा), आवश्यक तैयारी एवं उपाय की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। जिले में आकाशीय बिजली गिरने से जन एवं पशु हानि की बढ़ती घटना को दृष्टिगत रखते हुए शासन ने सभी विभाग प्रमुखो एवं मैदानी अमलों को दामिनी एप्प डाउनलोड करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही अधिक से अधिक लोगों को इस एप्प को डाउनलोड करने की अपील की है। दामिनी एप्प को गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से किसी भी एंड्रॉइड मोबाईल पर आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। इसके साथ ही मेघदूत एप्प तापमान, वर्षा की स्थिति, हवा की गति एवं दिशा से सम्बंधित है जिससे किसान अपने क्षेत्र की मौसम से संबंधित पूर्वानुमान की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

राजधानी में कार के अंदर मिली महिला की लाश, इलाके में सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बंद पड़ी कार के अंदर महिला की लाश मिलने से सनसनी मच गई। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल घटना के बाद इलाके में सनसनी मची हुई है। महिला कौन थी? और कार के अंदर कैसे पहुंची इसकी जांच की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के पुजारी पार्क स्थित सिहावा मोटर्स के पास की बताई जा रही है। जिस गाड़ी में महिला की लाश मिली वो गाड़ी काफी दिनों से खराब खड़ी थी। आसपास के लोगों को जब काफी बदबू आई तब जाकर इसका खुलासा हुआ। पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को ऑल्टो कार के अंदर से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

चिंता बढ़ाने लगा स्वाइन फ्लू

रोजाना आ रहे हैं दर्जनभर मरीज, सरकार की एडवाइजरी के बाद भी लोग बेपरवाह

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू एक बार फिर सिरदर्दी बढ़ा रहा है। तेजी से फैल रहे इस वायरस के चलते आलम यह है कि रोजाना करीब एक दर्जन मरीज सामने आ रहे हैं। जबकि ऐसे केस भी कम नहीं है, जहां लोगों को पता ही नहीं है कि वे इसकी चपेट में हैं। स्वास्थ्य विभाग पहले ही एडवायजरी जारी कर चुका है। लोगों से लक्षण दिखने पर तत्काल जांच कराने को भी कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा मरीज बिलासपुर जिले में मिले हैं। इसके बाद रायपुर दूसरे नंबर पर है। संचालक, महामारी नियंत्रक डॉ. एस पामभोई के मुताबिक, सर्दी, खांसी और कफ के साथ तेज बुखार से पीड़ित लोगों को स्वाइन फ्लू टेस्ट कराने को कहा गया है। सभी सरकारी अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड बनाए गए हैं। यदि लक्षण नजर आ रहे हैं तो तत्काल अस्पताल पहुंचकर जांच कराएं।

एच1 एन1 के बढ़ते मरीजों से स्वास्थ्य विभाग भी चिंतित है। हालांकि विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे इससे घबराएं नहीं। बिलासपुर जिले में स्वाइन फ्लू का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। रोजाना इसके संक्रमित मिलते ही जा रहे हैं। इसी क्रम में फिर 5 नए संक्रमित मिले हैं। इधर बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर रविवार को सीएमएचओ ने अपोलो समेत अन्य ऐसे निजी अस्पतालों का निरीक्षण किया, जहां संक्रमित भर्ती हैं और जहां संक्रमितों की मौत हुई है। उनकी रिपोर्ट के आधार पर बताया गया है कि ऐसे संक्रमितों की ही मौत हुई है, जो पहले से ही किसी बीमारी से पीड़ित थे। स्वाइन फ्लू के बढ़ते प्रकोप को लेकर कलेक्टर अवनीश शरण ने सिम्स में बैठक लेकर संक्रमण और इलाज व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने स्वाइन फ्लू या अन्य कोई भी मौसमी बीमारी को लेकर अस्पताल में इलाज की सभी तैयारियां पुख्ता रखने कहा है। कलेक्टर के निर्देश पर सीएमएचओ डॉ. प्रभात श्रीवास्तव ने अपोलो अस्पताल का निरीक्षण किया। इस बीच स्वाइन फ्लू का इलाज करा रहे मरीजों से मिल कर उनका हाल जाना। इस दौरान उन्होंने स्वाइन फ्लू के मरीजों के मेडिकल विशेषज्ञ से बैठक कर जांच और उपचार के संबंध में जानकारी ली।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, डायबिटीज, हाइपर टेंशन, कार्डियक डिजीज, कैंसर, किडनी संबंधी बीमारी से ग्रसित व्यक्ति स्वाइन फ्लू की चपेट में ज्यादा आ रहे हैं, क्योंकि उनमें इम्युनिटी पॉवर कमजोर होता है। लिहाजा ऐसे लोग भीड़भाड़ वाली जगहों में जाने बचें। मास्क लगा कर ही बाहर निकलें। लगातार मरीज मिलने से स्वास्थ्य महकमे में भी हड़कम्प की स्थिति है। हालांकि फिलहाल सब कुछ नियंत्रण में हैं, लेकिन यदि लोग सुरक्षात्मक उपाय नहीं करेंगे तो स्वाइन फ्लू का विस्तार होता जाएगा, जो चिंता की बात है। यही वजह है कि लोगों को बार बार मास्क पहनने, भीड़भीड़ में जाने से बचने और सेनीटाइजर का उपयोग करने की सलाह दी जा रही है।

जांच और इलाज की पूरी सुविधा

लगातार बढ़ रहे स्वाइन फ्लू के मरीजों की जांच और चिकित्सा की पूरी व्यवस्था की गई है। रोजाना औसतन एक दर्जन मरीज सामने आ रहे हैं। स्वास्थ्य महकमा दावा कर रहा है कि मरीजों के लिए सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध है। महकमे ने लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की है। साथ ही लक्षण दिखने पर तत्काल अस्पताल पहुंचने को कहा गया है। इस बीमारी से महीनेभर में ही 18 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, 300 से ज्यादा मरीज सामने आए हैं। इनमें से ज्यादातर लोगों की बीमारी गम्भीर नहीं है। ये लोग अपने घरों में ही रहकर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों का कहना है कि ऐसे मरीजों की संख्या भी कम नहीं है, जो इससे पीड़ित तो हैं, लेकिन उन्हें स्वाइन फ्लू होने की खबर नहीं है। यही वजह है कि स्वास्थ्य अमला बार बार ताकीद कर रहा है कि लक्षण दिखने पर तत्काल अस्पताल पहुंचकर जांच कराएं।

पूरे प्रदेश में मिल रहे हैं पीड़ित

वैसे तो छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू के मरीज सबसे ज्यादा बिलासपुर जिले में मिले हैं। लेकिन प्रदेशभर से इस बीमारी के मरीज रोजाना सामने आ रहे हैं। बिलासपुर में सर्वाधिक आठ लोगों की मौत हुई है, जबकि 108 मरीज मिल चुके हैं। रायपुर में भी 85 मरीज मिल चुके हैं। जांजगीर-चांपा, राजनांदगांव, दुर्ग, बीजापुर, धमतरी, महासमुंद समेत प्रदेशभर से स्वाइन फ्लू के मरीज मिल रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, वर्तमान में 112 मरीजों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज जारी है। वहीं, 13 मरीज होम आइसोलेशन में इलाज करा रहे हैं। राजधानी में स्वाइन फ्लू का पहला केस जुलाई के पहले सप्ताह में आया था। कांकेर का मरीज निजी अस्पताल में भर्ती था। उसे इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया था। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पीड़ित व्यक्ति के इलाज में देरी जानलेवा हो सकती है। बिलासपुर, राजनांदगांव व अन्य जिलों में जिन मरीजों की मौत हुई है, वे काफी विलंब से अस्पताल पहुंचे थे।

आइसोलेशन वार्ड तैयार

स्वाइन फ्लू एक संक्रमण है, जो एक प्रकार के फ्लू (इन्फ्लूएंजा) वायरस के कारण होता है। इन्फ्लूएंजा से पीड़ित व्यक्ति के खांसने या छींकने से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है, इसलिए मरीजों को भर्ती करने के लिए आइसोलेशन वार्ड की जरूरत पड़ती है। स्वास्थ्य विभाग ने स्वाइन फ्लू को लेकर पूरे प्रदेश में आइसोलेशन वार्ड तैयार किए हैं। जिला अस्पतालों और मेडिकल कालेज में आइसोलेशन वार्ड बनाया गया है। लोगों में स्वाइन फ्लू के लक्षण सामान्य मानव फ्लू के लक्षणों के समान ही होते हैं। इसमें बुखार, खांसी, गले में खराश, शरीर में दर्द, सिरदर्द, ठंड लगना और थकान शामिल हैं। कुछ लोगों ने दस्त और उल्टी की भी शिकायत होती है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, बच्चों में कुछ अलग तरह के लक्षण भी हो सकते हैं। बहरहाल, लगातार मरीज सामने आने के बाद स्वास्थ्य अमला भी अलर्ट मोड पर है। पूरी सतर्कता और निगरानी की जा रही है।

अजमेर में ट्रेन डिरेल करने की साजिश ट्रैक पर थे रखे 70 किलो वजनी ब्लॉक

अजमेर (एजेंसी)। कानपुर के बाद अब राजस्थान के अजमेर जिले में ट्रेन को डिरेल करने की साजिश सामने आई है। अजमेर में सराधना और बांगड़ ग्राम रेलवे स्टेशन के बीच 2 स्थानों पर बदमाशों ने सीमेंट के 70 किलो वजनी ब्लॉक रख दिए। गनीमत रही कि ट्रेन इन्हें तोड़ते हुए आगे निकल गई और कोई हादसा नहीं हुआ। आपको बता दें कि राजस्थान में ट्रेन को बेपटरी करने की यह साजिश तीसरी बार अंजाम दी गई है।

जानकारी के अनुसार मामला रविवार रात का है जब फुलेरा से अहमदाबाद मार्ग मालगाड़ी फुलेरा से अहमदाबाद जा रही थी। इस मामले में मांगलियावास थाना पुलिस में रिपोर्ट दी गई है, जिस पर पुलिस जांच में जुट गई है। रिपोर्ट डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन (डीएफसीसी) कर्मचारी रवि बुंदेला और विश्वजीत दास ने दर्ज करवाई है।

रिपोर्ट के अनुसार 8 सितंबर की रात 10:36 बजे सूचना मिली कि ट्रैक पर सीमेंट का ब्लॉक रखा हुआ है। मौके पर पहुंचे तो पाया कि वह टूटकर गिरा हुआ है। एक किमी आगे एक और ब्लॉक टूटकर साइड में रखा हुआ था। ये दोनों ब्लॉक अलग-अलग जगह पर रखे हुए थे। इसके बाद डीएफसीसी और रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (RPF) ने मिलकर सराधना से बांगड़ ग्राम स्टेशन तक पेट्रोलिंग की, इस दौरान स्थिति सामान्य पाई गई।

जानकारी ने अनुसार रविवार की रात को 10:36 बजे बांगड़ ग्राम स्टेशन अधीक्षक ने मामले की सूचना दी, इसके बाद ट्रैक जांचा गया। एक किमी के दायरे में आमने-सामने की लाइन में 2 जगहों पर ब्लॉक पाए गए, जो इंजन के टकराने से टूट गए थे। सराधना से बांगड़ ग्राम तक स्टाफ ने पेट्रोलिंग की। ब्लॉक टकराने के अलावा सब कुछ सामान्य था। मामले में मांगलियावास थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है, जिसके बाद पुलिस ने रेलवे ट्रैक का दौरा किया और जांच की। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

ब्रेक के बाद जमकर बरस रहे बादल, राजधानी रायपुर-दुर्ग सहित 26 जिलों के लिए अलर्ट जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में इन दिनों मानसून मेहरबान हो गया है। मौसम विभाग ने रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर सहित 11 जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 15 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। सोमवार शाम से हो रही बारिश के कारण पूरा शहर तरबतर हो गया है। अगले 24 से 48 घंटों में गरज चमक के साथ तेज बारिश का अनुमान है।

मौसम विभाग के अनुसार एक द्रोणिका दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश से उत्तरी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और आंतरिक ओडिशा होते हुए तटीय ओडिशा पर स्थित गहरी अवधूत क्षेत्र के केंद्र तक औसत समुद्र तल से 3.5 किलोमीटर ऊपर तक फैली हुई है और ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुकी हुई है, जिसके प्रभाव से प्रदेश में मानसून की सक्रियता बढ़ गई है और गरज चमक के साथ बारिश हो रही है।

इसके साथ ही आंतरिक ओडिशा पर स्थित गहन अवदाब क्षेत्र के प्रभाव में छत्तीसगढ़ में मंगलवार को भी अच्छी बारिश की संभावना है। बारिश का यह असर 11 सितंबबर तक रह सकता है। हालांकि इस बीच प्रदेश भर के कई जगहों पर हल्की मध्यम बारिश होती रहेगी। मंगलवार को राजधानी रायपुर, दुर्ग भिलाई, बिलासपुर, कोरबा सहित समेत प्रदेश भर में हल्की मध्यम बारिश की संभावना है।

बारिश के कारण शहर तरबतर

मौसम विभाग ने इन जिलों के लिए जारी किया रेड अलर्ट

मौसम विभाग ने 24 घंटे के लिए गरियाबंद, धमतरी, बालोद, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, कांकेर, बीजापुर और नारायणपुर के जिलों में भारी से अति भारी बारिश होने की संभावना जताई है। इन जिलों के लिए मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने आगामी 48 घंटे के लिए सारंगढ़-बिलाईगढ़, जांजगीर, रायपुर, बलौदा बाजार, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम खैरागढ़-छुईखदान-गंडाई, कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, मुंगेली कोरबा और बेमेतरा जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा महासमुंद, राजनांदगांव, बस्तर कोंडागांव और दंतेवाड़ा जिलों में भारी से अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

चौंकाते हैं उत्तर प्रदेश एनकाउंटरों के आंकड़े

श्रीकंचनपथ

कुछ जातियों के बारे में पुलिस और सरकार का ये मानना रहा है कि उनमें अपराध और हिंसा करने की प्रवृत्ति ज्यादा होती है। इसकी शुरुआत ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन काल में हुई। 1871 में औपनिवेशिक सरकार ने आपराधिक जनजाति अधिनियम बनाते हुए कई जनजातियों को वंशानुगत, आदतन अपराधियों के रूप में वर्गीकृत किया। अधिनियम में समय-समय पर संशोधन किये गए और धीरे-धीरे 150 से भी अधिक जनजातियों को अपराधी घोषित कर दिया गया। साथ ही पुलिस को ब्रेनवॉश कर दिया गया कि ये जनजातियाँ पारंपरिक रूप से आपराधिक प्रकृति की हैं। नतीजा यह निकला कि इन जनजातियों के लोग देश में जहाँ कहीं भी रह रहे थे, उन्हें अपराधियों के तौर पर देखा जाने लगा। इन जनजातियों के लिए बाड़े बना दिये गये जिससे बाहर जाने या भीतर आने के लिए पुलिस की इजाजत लेनी पड़ती थी। इनकी हालत लगभग कैदियों जैसी हो गई। इस अधिनियम ने पुलिस को इन जनजातियों को गिरफ्तार करने, इनका शोषण करने और इनकी हत्या तक करने की असीमित शक्तियाँ दे दीं। अयंगर समिति की सिफारिशों पर 1952 में इस अधिनियम को निरस्त कर दिया गया। पर समाज और व्यवस्था के नज़रिये में ज्यादा अन्तर नहीं आया। बावरिया, भांतु, कंजर, सांसी, छारा और पारधी ऐसी जनजातियाँ हैं जिनपर आज भी 'आपराधिक' की छाप लगी हुई है। इसकी वजह से कई बार इन जनजातियों की पूरी की पूरी बस्तियाँ जला दी जाती हैं और कोई उफ्फ! तक नहीं करता। 2007 में बिहार के वैशाली ज़िले में नट जनजाति के दस लोगों की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। उसी साल मध्य प्रदेश के बैतूल ज़िले के चौथिया गाँव में पारधियों के 350 परिवारों के घर जलाकर राख कर दिये। पर अब तस्वीर बदल रही है। अपराधियों के चेहरे भी बदल रहे हैं। इस बदली हुई सूरत से योगी सरकार ने पर्दा उठा दिया है। अब तक यूपी के बारे में आम धारणा थी कि वहां के मुस्लिम बहुल इलाके अपराध के गढ़ हैं। पर राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े कुछ और ही बता रहे हैं। 2017 से लेकर अब तक पुलिस और अपराधियों के बीच वहां साढ़े 12 हजार मुठभेड़ें हुई हैं। इनमें 207 आरोपी ढेर हुए। ताज्जुब की बात यह है कि इन एनकाउंटरों में ढेर होने वालों में 140 लोग हिन्दू हैं जबकि 67 मुस्लिम। हिन्दुओं में भी सबसे बड़ी संख्या ब्राह्मणों की है। इसके बाद क्रमशः ठाकुर, यादव, जाट और फिर कहीं जाकर गुर्जर और दलित आते हैं। कहीं हमारी सोच पूर्वाग्रह से ग्रस्त तो नहीं। अपढ़ और कुपढ़ को किसी जाति या सम्प्रदाय से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। यही बात दबंगों पर भी लागू होती है। कोई संख्या बल के आधार पर तो कोई रसूख और पहुंच के दम पर अपराध करता है। ऐसे लोग डंके की चोट पर जघन्य अपराध करते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति ने इसी सच को उजागर कर दिया है।

संपादकीय

रेल सुरक्षा

ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश की जितनी निंदा की जाए, कम है। उत्तर प्रदेश के कानपुर में रविवार देर रात प्रयागराज-भिवानी कालिंदी एक्सप्रेस पटरियों पर रखे एलपीजी सिलेंडर से टकरा गई, यह तो अच्छा था कि सिलेंडर में विस्फोट नहीं हुआ। सिलेंडर टकराकर दूर चला गया और ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश नाकाम हो गई। पुलिस ने अपने स्तर पर इस घटना को गंभीरता से लिया है और वह इसे बड़ी साजिश मान रही है, तो आश्चर्य नहीं। पुलिस को हर हाल में उस व्यक्ति या उन व्यक्तियों तक पहुंचना चाहिए, जिन्होंने ऐसे दुस्साहस को अंजाम दिया है।

> आजकल वैसे भी ट्रेनों की औसत गति काफी बढ़ गई है और पटरियों पर एक के पीछे एक इतनी ट्रेनें दौड़ रही हैं कि उन्हें समय से चलाना और गति के साथ चलाना अनिवार्य होता जा रहा है। कालिंदी एक्सप्रेस भी काफी तेज गति से आगे बढ़ रही थी। अगर उससे टकराकर सिलेंडर में विस्फोट होता, तो बहुत बड़ा नुकसान हो सकता था। फोरेंसिक टीम जांच में लग गई है, अपराधियों तक पहुंचना और उनके पूरे मनसूबे को जानना जरूरी है, ताकि सुरक्षा के प्रबंध को पुख्ता किया जा सके।

ऐसे गंभीर मामलों में जांच एजेंसियों को लीपापोती से बचते हुए खतरों को देखने-समझने की कोशिश करनी चाहिए। रेल संचालन जितना महत्वपूर्ण है, उससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है, ऐसे अपराधी तत्वों पर अंकुश। वैसे ध्यान रहे, 17 अगस्त को वाराणसी-अहमदाबाद साबरमती एक्सप्रेस के 22 डिब्बे कानपुर के पास ही पटरी से उतर गए थे, जब इंजन एक वस्तु से टकरा गया, जिसे लोको पायलट ने चट्टान बताया। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के पटरी से उतर जाने से चार यात्रियों की जान चली गई थी। कालिंदी एक्सप्रेस के साथ हुई ताजा घटना कितना गंभीर रूप ले सकती थी, यह हमें जरूर सोचना चाहिए। ध्यान रहे, 20 अगस्त 1995 को कालिंदी एक्सप्रेस एक नीलगाय से टकराकर खड़ी थी और उसे पुरुषोत्तम एक्सप्रेस ने पीछे से टक्कर मार दी थी। उस हादसे में 350 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। उस हादसे को भारत के पांच बड़े रेल हादसों में गिना जाता है। सबसे बड़ा खतरा यही होता है कि अगर रेल किसी भी वजह से पांच मिनट कहीं खड़ी हो जाए, तो उसी पटरी पर पीछे से आ रही ट्रेन काल बन जाती है। इस बार शायद यही साजिश थी कि कानपुर रूट जैसे व्यस्ततम मार्ग पर यातायात को बाधित किया जाए, ताकि पूरे रेल संचालन पर ही असर पड़े। यात्रियों का भाग्य अच्छा था कि सिलेंडर टकराकर दूर चला गया और ट्रेन बेपटरी नहीं हुई।

यह स्पष्ट है कि कानपुर-दिल्ली क्षेत्र रेल सुरक्षा के लिहाज से शुरू से ही संवेदनशील रहा है। सुविधाओं के विस्तार के साथ ही इस क्षेत्र या इस रूट पर गाड़ियों की संख्या बहुत ज्यादा है। अतः यहां रेल संचालन का सोलह आना चाक-चौबंद होना जरूरी है। केंद्र सरकार ने अगर इस हादसे या साजिश की जांच का काम एनआईए को दिया है, तो यह एक स्वागतयोग्य कदम है। अब समय आ गया है कि रेल हादसों या साजिशों के बारे में लोगों को पूरी जानकारी मिले। जांच के नतीजे छिपाने से किसी का फायदा नहीं है। केवल छोटे कर्मचारियों पर ठीकरा फोड़ने के बजाय बड़े अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। हर तरह की रेल सेवा और उसकी सुरक्षा की गुणवत्ता में सुधार को प्राथमिकता बनाकर आगे बढ़ना चाहिए।

अंदर-बाहर से कटु हमले झेल रही केरल की वाम सरकार

एस. श्रीनिवासन

केरल में पिछले कुछ हफ्तों में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जिनसे मुख्यमंत्री पी विजयन की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। सीपीएम के नेतृत्व वाली इस सरकार का समर्थन करने वाले निर्दलीय विधायक पी वी अनवर ने ही विरोध का झंडा उठा रखा है, जिसके कारण अटकलों का बाजार गरम है कि कहीं यह किसी अंदरूनी साजिश का नतीजा तो नहीं? देखा जाए, तो इस वर्ष के आम चुनाव में भाजपा के बेहतर प्रदर्शन के बाद से केरल की राजनीति में उथल-पुथल मची हुई है। इस चुनाव में एक सीट जीतकर भाजपा न सिर्फ अपना खाता खोलने में सफल रही, बल्कि साल 2019 के 15.64 फीसदी के मुकाबले उसने अपना मत-प्रतिशत भी बढ़ाकर 19.25 कर लिया। वाम मोर्चा भी सिर्फ एक सीट जीत सका, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ को 18 सीटें मिलीं। वाम मोर्चे ने शानदार तरीके से पिछला दोनों विधानसभा चुनाव जीता है और 2026 के चुनाव में उसे भारी सत्ता विरोधी रुझानों का सामना करना पड़ सकता है।

राजनीतिक गहमागहमी के बीच, पिछले हफ्ते अनवर ने राज्य के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अजीत कुमार और मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव पी शशि पर सीधा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि अजीत कुमार के इशारे पर कुछ राजनेताओं व मंत्रियों के फोन रिकॉर्ड किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता के सी वेणुगोपाल सहित सोलर घोटाले के कई आरोपी इसलिए छूट गए, क्योंकि अजीत कुमार ने अपने प्रभाव का बेजा इस्तेमाल किया। हालांकि, जब वह ये आरोप लगा रहे थे, तभी यह भी खुलासा हुआ कि मई 2023 में अजीत कुमरी ने राष्ट्रीय स्वसंवेक संघ के वरिष्ठ नेता दत्तात्रेय होसबोले के साथ निजी मुलाकात की थी, जिसकी पुष्टि बाद में उन्होंने स्वयं भी की। अनवर ने पुलिस अधीक्षक सुजीत दास पर भी अपने कार्यालय में पेड़ों की अवैध कटाई करने, सोने की तस्करी में मदद करने और हत्या व गुमशुदगी की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने उस मोबाइल बातचीत की रिकॉर्डिंग भी जारी की, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि यह उनके व पुलिस अधीक्षक के बीच की बातचीत है और पुलिस अधीक्षक दावा कर रहे हैं कि मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव ने एडीजीपी को खुली छूट दे रखी है। इसके बाद कांग्रेस विरोध-प्रदर्शन पर उतर आई, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने सुजीत दास को निलंबित कर दिया और मामले की जांच के आदेश दे दिए। हालांकि, तनातनी उस वक्त बढ़ गई, जब अनवर ने पी शशि पर भी अपनी मर्जी से काम करने का आरोप लगाया। सचिव मुख्यमंत्री के करीबी माने जाते हैं, फिर भी मुख्यमंत्री ने अनवर से मुलाकात की और उनके आरोपों को सुना। हालांकि, सवाल यह भी है कि अनवर ने मोर्चे के संसदीय दल के भीतर आवाज उठाने के बजाय सार्वजनिक तौर पर यह सब क्यों कहा? फिर, कांग्रेस क्यों इस पर आंदोलित है, जबकि अनवर और उसमें छत्तीस का रिश्ता रहा है?

बहरहाल, हेमा समिति की रिपोर्ट (मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं की दुर्दशा बताने वाली रिपोर्ट) से घिरी विजयन सरकार अब अनवर व विपक्षी नेताओं द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद मुश्किलों में पड़ती दिख रही है। अनवर के आरोपों के पीछे कौन सी सियासत है, इसका गुणा-भाग भी किया जा रहा है। कुछ लोगों का मानना है कि यह सब नाराज सीपीएम नेताओं की करतूत हो सकती है, तो कुछ की नजर में अंदरूनी कलह का नतीजा। पार्टी नेताओं का एक धड़ा पी शशि को लेकर सावधान है, क्योंकि वह बहुत ताकतवर हो रहे हैं और अगला विधानसभा चुनाव भी लड़ सकते हैं। कारण जो भी हो, पी विजयन अपने दूसरे कार्यकाल के अंतिम चरण में कई चुनौतियों से जूझ रहे हैं। कनाडा के शिक्षाविद निसिम मन्नथुकरन का अध्ययन बताता है कि केरल चुनावी तौर पर बेशक आज भी समाजवाद का पक्षधर है, लेकिन इसकी विचारधारा में व्यापक बदलाव हो रहा है। पूरे देश में उपभोग पर सर्वाधिक खर्च करने वाला यह राज्य अपने समान सूबों में कहीं अधिक उपभोक्तावादी और आकांक्षी है। निसिम का निष्कर्ष यही है कि यहां की सोच अब बदल गई है। युवा पीढ़ी अब बुजुर्गों से कहने लगी है कि वे 'जीवन का आनंद' लें, क्योंकि 'आप केवल एक बार जीते' हैं।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

गुमशुदा बच्चेः राष्ट्रीय-अंतराष्ट्रीय समस्या

हर साल दुनियाभर में हजारों बच्चे गुमशुदा हो जाते हैं। ये समस्या सिर्फ किसी एक देश तक सीमित नहीं है, बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बन चुकी है। भारत में हर साल लगभग 96 हजार बच्चे लापता हो जाते हैं, जिसका मतलब प्रति घंटे 6.3 और प्रतिदिन 151.2 बच्चे गायब होते हैं।

तरुण खटकर

यह समस्या समाज के हर कोने में गहरा प्रभाव डालती है, और इसके समाधान की दिशा में सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। सोशल एक्टिविस्ट तरुण खटकर ने अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय गुमशुदा बच्चों के आंकड़े पर ध्यान आकृष्ट करते हुए बताया कि यह एक राष्ट्रीय -अंतरराष्ट्रीय समस्या है उन्होंने कहा कि चौक चौराहे मे भीख मांगते बच्चे, ढाबों में काम करते बाल श्रमिक बच्चों के अपहरण, तस्करी और गुमशुदा होने की खबरें अक्सर सामने आती हैं। यह घटनाएं न केवल पीड़ित बच्चों और उनके परिवार के लिए दर्दनाक होती है बल्कि पूरे समाज में भय और अविश्वास का माहौल पैदा कर देती है।

बच्चे देश की अनमोल धरोहर है

उनकी अच्छी परवरिश और सुरक्षा न केवल उनके परिवार बल्कि देश की उन्नति के लिए आवश्यक है। बच्चों का गुम हो जाना एक गंभीर समस्या है। इसी भयानक राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय समस्या के प्रति समाज में लापता बच्चों के सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज को बच्चों के सुरक्षा के तरीकों के बारे में शिक्षित करने के लिए पूरे विश्व में हर साल 25 मई को अंतरराष्ट्रीय गुमशुदा बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। ताकि इस समस्या पर लोगों का ध्यान आकृष्ट हो और जागरूकता और सरकार के प्रयास से इस समस्या को समाप्त किया जा सके।

अंतरराष्ट्रीय स्थिति

गुमशुदा बच्चों की समस्या केवल भारत में ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में गंभीर है। अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों के अनुसार

संयुक्त राज्य अमेरिकाः लगभग 4,60,000 बच्चे हर साल लापता होते हैं।
यूनाइटेड किंगडमः लगभग 1,12,853 बच्चे गुम हो जाते हैं।
जर्मनीः 1,00,000 बच्चे लापता होते हैं।
कनाडाः 45,288 बच्चे गायब होते हैं।
रूसः 45,000 बच्चे हर साल लापता होते हैं।

ये आंकड़े दुनिया भर में गुमशुदा बच्चों की समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। हालांकि कई देशों में इस समस्या के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, फिर भी जो आंकड़े सामने आए हैं, वे इस मुद्दे की व्यापकता का अंदाजा लगाने के लिए पर्याप्त हैं। 2022 NCRB की वार्षिक रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार पिछले साल 83 हजार 350 बच्चे जिसमें 62946 बेटियां 20380 बेटे लापता हुए। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय पूर्व मंत्री ने लोकसभा में जो आंकड़े पेश किए हैं उसके अनुसार वर्ष 2018 से 2023 तक कुल दो लाख पचहत्तर हजार 2,75125 बच्चे लापता हुए हैं इनमें से दो लाख 12 हजार 212825 लड़कियां है। इन जारी आंकड़ों के अनुसार प्रति घंटे में 6.3 बच्चा लापता हुए यानी प्रति दिन के हिसाब से 151.2 से बच्चे लापता हुए ।

एक रिपोर्ट के अनुसार भारत के सात राज्यों में गुमशुदा बच्चों के मामले सबसे अधिक जिसमें मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, कर्नाटक, गुजरात, दिल्ली और छत्तीसगढ़ जहां सबसे ज्यादा बच्चे गायब होते हैं इन राज्यों में लापता हुए कुल बच्चों की संख्या 2 लाख 14 हजार 664 है यानी कुल लापता बच्चों में से 78 फिसदी इन्हीं सात राज्यों के है।

छत्तीसगढ़ राज्य से भी चौंकाने वाले आंकड़े है प्रदेश में 33 महीनों में 48 हजार 675 लोग लापता हुए। यानी प्रति घंटे 2 लोग और प्रति दिन लगभग 49 लोग ये आंकड़े बहुत डरावने है। गुमशुदा बच्चों को लेकर 2016 में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई थी। उस समय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष और हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस प्रीतिकर दिवाकर ने गुमशुदा बच्चों की तलाश के लिए विशेष अभियान चलाने के लिए कहा था। तरुण खटकर ने गुमशुदा बच्चों को ढूंढने के लिए चलाएं अभियान आपरेशन मुस्कान को एक कारगर अभियान बताया। उन्होंने बताया कि 1 से 30 जून 2023 तक छत्तीसगढ़ पुलिस ने आपरेशन मुस्कान अभियान चलाकर 559 लापता बच्चों को जिसमें 487 बेटियां 72 बेटों को बचाया। 1 से 31जनवरी 2024 तक छत्तीसगढ़ पुलिस के आपरेशन मुस्कान अभियान के तहत प्रदेश के कई जिलों के साथ साथ छत्तीसगढ़ पुलिस ने दूसरे राज्यों तेलंगाना, महाराष्ट्र ,ओडिशा, मध्यप्रदेश, दिल्ली और कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों में अभियान चलाकर 504 बच्चों को बरामद किया जिसमें 454 बेटियां एवं 50 बेटे शामिल हैं। बरामद बच्चे प्रमुख रुप से दुर्ग जिले से 93 बलौदा बाजार भाटापारा जिले से 58 बच्चे बिलासपुर जिले से 41 एवं प्रदेश के अन्य जिलों के गुम बच्चों को भी दस्तयाब किया।

हालांकि यह समस्या एवं समस्या के हल का केवल एक छोटा सा हिस्सा है कई देशों में गुमशुदा बच्चों के बारे में आंकड़े उपलब्ध ही नहीं है और दुर्भाग्य से उपलब्ध आंकड़े भी गलत हो सकते हैं क्योंकि कम रिपोर्टिंग, कम पहचान, केस की गलत डेटाबेस और केस बंद होने के बाद रिकार्ड को हटा दिया जाना आदि कारणों से हो सकता है। सोशल एक्टिविस्ट तरुण खटकर ने जनता, जनप्रतिनिधियों, समाजिक कार्यकर्ता संगठन युवा समुह महिला समुहो छात्र छात्राओं राजनीतिक संगठनों से अपील करते हुए कहा कि हो सकता है आपके आस पास वर्षों से ऐसी घटनाएं घटित न हुई हो इसलिए आपको लगता है ये कोई समस्या नही है फिर भी ये आंकड़े बताते हैं कि ये एक राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय समस्या है इस पर हम सब का ध्यान आकृष्ट होना चाहिए है ताकि हम सब? मिलकर शासन एवं सोशल एक्टिविस्ट द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न अभियान जैसे चाइल्ड हेल्पलाइन, आपरेशन मुस्कान,बचपन बचाओ आंदोलन, से जुड़कर एवं अभियानों के प्रति जागरूकता अभियान चलाकर कर इस समस्या का अंत करने में भागीदार बनें।

(ये लेखक के विचार हैं)

मांग बढ़ती है तो हर कोई फायदा उठाता है

सुनील दास

राजनीति और महंगाई के बीच एक गहरा रिश्ता तो है। महंगाई बढ़ती है तो विपक्ष को राज्य ही नहीं देश भर में राजनीति करने का मौका मिलता है।हर शहर, हर जिले में प्रदर्शन किया जाता है। बढ़ती महंगाई के लिए सरकार को दोषी बताने का प्रयास किया जाता है। नेता जनता को होने वाली तकलीफ की बात करने लगते हैं। जनता को हो रही तकलीफ के लिए सरकार की आलोचना करते हैं, सरकार को जनविरोधी बताते हैं। कहा जाता है कि दाम बढ़ रहे है तो इसका मतलब है कि सत्तारूढ़ दल को सरकार चलाना नहीं आता है। जब वस्तुओं के दाम कम हो जाते हैं तो विपक्ष के हाथ से एक अहम मुद्दा निकल जाता है,उसे राजनीति का कोई मौका नहीं मिलता है।

विपक्ष तो ताक में रहता है कि कौन सी वस्तु के दाम बढ़ रहे हैं या बढ़ाए गए हैं। जैसे ही किसी वस्तु का दाम राज्य या केंद्र में बढ़ जाता है तो विपक्ष को राजनीति का मौका मिल जाता है कि महंगाई बढ़ गई है और सरकार कुछ कर नहीं रही है। ऐसा ही मौका विपक्ष को तब मिला जब राज्य की सीमेंट कंपनियों ने एक साथ सीमेंट का दाम पचास रुपए प्रति बोरी बढ़ा दिए। विपक्ष का तर्क है कि कंपनियों ने सीमेंट के दाम बढ़ा दिए हैं, इससे आम लोगों को घर बनाने में ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ेगा, राज्य में सरकारी निर्माण कार्य जैसे पुल-पुलिया, मकान, सरकारी भवन आदि की लागत बढ़ जाएगी। कांग्रेस का कहना है कि सरकार ने सीमेंट दाम बढ़ाकर प्रदेश की जनता को लूट रही है।

कांग्रेस कहना है कि सरकार यह बताए क्या हमारे पास सीमेंट बनाने के लिए रॉ मटेरियल बाहर से मंगाना पड़ता है,बिजली हम यहीं पैदा करते हैं, रॉ मटेरियल यहीं मिल जाता है, उसके बाद पचास रुपए सीमेंट का रेट क्यों बढ़ाया गया है। इसका जवाब सरकार को देना चाहिए। कांग्रेस से पहले भाजपा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने इस ओर पत्र लिखकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया था और सीमेंट के बढ़े दाम को वापस लेने की मांग की थी। इसके बाद कांग्रेस ने इस बड़ा मुद्दा बनाने का प्रयास कर रही है तथा 11 सिंतबर को प्रेस वार्ता कर सरकार की नाकामी को जनता तक पहुंचाएगी तथा 12 सितंबर को जिला मुख्यालयों में सीमेंट के दाम बढ़ने के विरोध धरना प्रदर्शन करेगी।

कांग्रेस का तर्क है कि सीमेंट कंपनियों को रॉ मटेरियल यहीं मिल जाता है, बिजली यही पैदा हुई मिल जाती है तो उनको दाम बढ़ाने का अधिकार नहीं है। उनको दाम नहीं बढ़ाना चाहिए। चाहे सरकार भाजपा की हो या कांग्रेस की हो। ऐसे में कांग्रेस को जवाब देना पड़ेगा कि उसके हिसाब तो कंपनियों को दाम बढ़ाना ही नहीं चाहिए तो भूपेश बघेल सरकार के समय सीमेंट के दाम कैसे बढ़ गए थे। सरकार ने कंपनियों को क्यों नहीं रोका था। हकीकत यह है कि कोई सरकार सीमेंट कंपनियों को दाम बढ़ाने से रोक ही नहीं सकती। भूपेश सरकार नहीं रोक सकी थी तो साय सरकार कैसे रोक सकती है।

सीमेंट के दाम तो कई कारणों से बढ़ सकते हैं। कई कारणों से बढ़ते हैं। मजदूरी बढ़ जाए,डीजल पेट्रोल के दाम बढ़ जाए,बिजली महंगी हो जाए, परिवहन लागत बढ़ जाए,सीमेंट की मांग देश या कई राज्यों में बढ़ जाए तो कंपनी को सीमेंट के दाम बढ़ाने पड़ते है। अर्थशास्त्र का सीधा सा नियम है कि जिस वस्तु की मांग ज्यादा बढ़ जाती है, उसकी कीमत बाजार में वैसे ही बढ़ जाती है। मांग कम हो जाती है तो कीमत उसी हिसाब से कम हो जाती है। यह सीमेंट ही नहीं हर वस्तु पर लागू होता है। टमाटर,प्याज,आलू तक के रेट मांग बढ़ने पर बढ़ जाते हैं।

मांग बढ़ती है तो यह कंपनियों, व्यापारियों के लिए कमाने का मौका होता है। हर कंपनी ऐसे मौके का फायदा उठाती है। वह अपने वस्तु या वस्तुओं के दाम बढ़ा देती है। इससे उस कंपनी को तो फायदा होता ही है, उस राज्य को भी फायदा होता है क्योंकि दूसरे राज्यों से पैसा राज्य में आता है, वह पैसा राज्य के कंपनी में काम करने वाले लोगों को ही तो मिलता है। कंपनी फायदे में रहेगी तब ही तो चलेगी, लोगों को रोजगार मिलेगा, सरकार को टैक्स मिलेगा।

राजनीति करने वाली कांग्रेस यह सब नहीं बताएगी, वह सिर्फ यही बताएगी कि सीमेंट कंपनियों ने सीमेंट के दाम बढ़ाकर राज्य के लोगों को लूट रही है, साय सरकार उसे लूटने दे रही है। कांग्रेस के नेताओं को भी मालूम है कि वर्षा के मौसम में निर्माण कार्य नहीं होते हैं, लोग मकान ऐसे समय में नहीं बनाते है, इसलिए सीमेंट कंपनी के जनता को लूटने का आरोप तो हवाहवाई है। कांग्रेस नेता यह नहीं बता रहे हैं कि सीमेंट कंपनियों ने सीमेंट के रेट ऐसे मौसम में क्यों बढ़ाए हैं।

जानकारों का कहना है कि सीमेंट की मांग पं.बंगाल, यूपी, बिहार, मप्र और ओडिशा में बढ़ गई है इसलिए सीमेंट कंपनियों ने सीमेंट के दाम पचास रुपए बढ़ा दिए हैं। बताया जाता है कि सबसे ज्यादा मांग तो पं.बंगाल में है। मांग बढ़ने का मतलब है कि जिसे चाहिए वह ज्यादा कीमत दे सकता है। कई राज्य ज्यादा कीमत पर सीमेंट खरीदने को तैयार हैं तो सीमेंट कंपनियां इस मौके का फायदा क्यों नहीं उठाना चाहेंगी और साय सरकार उनको सीमेंट का दाम नहीं बढ़ाने के लिए क्यों कहेगी। जानकारों के मुताबिक राज्य में सीमेंट का उत्पादन 30 लाख टन का है, ऐसा तो है नहीं कि यह तीस लाख टन राज्य के लिए ही पैदा किया जाता है, राज्य में इसमें से मात्र 8 लाख टन की ही जरूरत है तो 22 टन दूसरे राज्यों को जाता है,यानी सीमेंट की ज्यादा खपत व मांग दूसरे राज्यों में हैं इसलिए सीमेंट कंपनियां जब सीमेंट के दाम बढ़ाती है तो दूसरे राज्यों मे मांग बढ़ने के कारण बढ़ाती है न कि छत्तीसगढ़ के लोगों को लूटने के लिए बढ़ाती हैं।

सीमेंट कंपनियों को आफ सीजन में कमाने का मौका मिल रहा है तो वह कमाएंगी ही, पैसा कमाने का मौका जिसको मिलता है,वह कमाता ही है। कंपनियां पैसा कमाएंगी तो ही वह कंपनी चलेगी,यहां की सरकार को पैसा मिलेगा, कंपनी में काम करनेवाले लोगों को रोजगार मिलेगा,पैसा मिलेगा। राजनीतिक दलों को चंदा भी कंपनी कमाने पर ही देगी। यहां की सीमेंट कंपनियां कांग्रेस सरकार के समय भी यही करती थी और साय सरकार के समय भी वही कर रही हैं। कांग्रेस विपक्ष में है तो वह राजनीति करेगी ही,ऐसी राजनीति का जनता पर खास असर नहीं होता है क्योंकि जनता को सबका शासन याद रहता है कि किसने अपने समय में क्या किया था और क्या नहीं किया था।

(ये लेखक के विचार हैं)

सिद्धांत का उल्लंघन

क्या सुप्रीम कोर्ट आगे से किसी कथित बुल्डोजर न्याय पर अपनी तरफ से पहल कर कार्रवाई करेगा? ऐसा नहीं हुआ, तो आशंका है कि ताजा अदालती पहल का हश्र भी लीचिंग मामले में दिए आदेश जैसा हो जाएगा।

सर्वोच्च न्यायालय ने कथित बुल्डोजर न्याय के बारे जो बातें कही हैं, वो उन समाजों में सामान्य और खुद जाहिर रहती हैं, जो कानून के राज के सिद्धांत से चलते हैं। यह सिद्धांत भारतीय संविधान का भी आधारभूत तत्व है। ऐसे में यह लाजिम होना चाहिए कि इस सिद्धांत का उल्लंघन करने वाला कोई अधिनियम या व्यवहार भारत में स्वीकार्य ना हो। मगर आज सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ रहा है कि अभियुक्तों या सजायाफ्ता व्यक्तियों के परिजनों को आवास से वंचित किया जाए, कानून इसकी इजाजत नहीं देता। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की खंडपीठ ने पूछा- सिर्फ इसलिए कि कोई व्यक्ति अभियुक्त है, उसके घर को कैसे तोड़ा जा सकता है?.. क्या ऐसा उस हाल में भी किया जा सकता है, अगर उसे सजा हो गई हो? बहरहाल, देश की सर्वोच्च अदालत से अपेक्षा यह नहीं होती कि वह प्रश्न पूछने तक सीमित रहे। उससे अपेक्षा होती है कि वह कानून तोड़ने या उसे अपने हाथ में लेने वाले व्यक्ति या अधिकारी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करे।

कोर्ट ने कहा है कि अवैध निर्माण के मामले में भी किसी मकान को तोड़ने से पहले उचित प्रक्रिया का पालन होना चाहिए। संबंधित संपत्ति के मालिक को पहले नोटिस जारी होना चाहिए, उसे सफाई देने का मौका मिलना चाहिए और कानून की शरण लेने के लिए उसे उचित वक्त मिलना चाहिए। कोर्ट ने इस बारे में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करने की इच्छा जताई है। इस रूप में अदालत ने संवैधानिक भावना को व्यक्त किया है। मगर जिस दौर में कथित बुल्डोजर न्याय प्रचलित हुआ है, उसमें आम शिकायत है कि कानून की भावना के खिलाफ खुद सरकारें और उनके अधिकारी काम कर रहे हैं। ऐसे में न्यायपालिका की इस भावना का कितना पालन होगा, इसको लेकर संशय बने रहने का पर्याप्त आधार है। क्या सुप्रीम कोर्ट आगे से किसी कथित बुल्डोजर न्याय पर अपनी तरफ से पहल कर कार्रवाई करेगा? क्या वह अपने प्रस्तावित दिशा-निर्देशों के उल्लंघन पर अवमानना की कार्रवाई शुरू करेगा? ऐसा नहीं हुआ, तो आशंका है कि ताजा अदालती पहल का हश्र भी लीचिंग मामले में दिए आदेश जैसा हो जाएगा।

(आरएनएस)

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544

D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

जिले में अब तक 559.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 01 जून से 09 सितंबर तक 559.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 901.8 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 394.3 मिमी धमधा तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 523.9 मिमी, तहसील बोरी में 437.1 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 533.5 मिमी और तहसील अहिवारा में 568.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 09 सितंबर को तहसील पाटन में 1.0 मिमी एवं तहसील भिलाई-3 में 17.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

प्राकृतिक खेती एवं गौ आधारित खेती पर कार्यशाला संपन्न

दुर्ग। कृषि विज्ञान केन्द्र पाहंदा (अ) में आज बलराम जयंती पर आयोजित कृषक दिवस में प्राकृतिक खेती एवं गौ आधारित खेती पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान खेत में बनाये जाने वाले बीजामृत, जीवामृत का जिवंत प्रदर्शन किया गया। इस आयोजन में प्रगतिशील महिला कृषक श्रीमती अजिता साहू एवं कृषक श्री लवन साहू को जैविक खेती में विशेष योगदान हेतु सम्मान प्रमाण पत्र प्रदाय किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय किसान संघ के जिला कार्यकारिणी सदस्य योगेन्द्र कुमार साहू, ग्राम चींदकं के उप सरपंच सुरेन्द्र कुमार साहू, चेतन देवांगन, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विजय जैन सहित 50 से अधिक किसान भाई मौजूद थे।

समावेशी शिक्षा अंतर्गत स्पीच थैरेपिस्ट एवं स्पेशल एजुकेटर हेतु 14 सितम्बर तक आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। प्रबंध संचालक राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा रायपुर के तहत स्पेशल एजुकेटर के (31 मार्च 2025 तक) एवं स्पीच थैरेपिस्ट का पदाकंन हेतु आवेदन आमंत्रित है। जिला शिक्षा अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार इच्छुक आवेदक अपना आवेदन जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा दुर्ग को 14 सितम्बर 2024 तक गूगल लिंक पर आवेदन कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी हेतु जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा दुर्ग छ.ग. के सूचना पटल पर चस्पा जानकारी का कार्यालयीन समय में अवलोकन कर सकते हैं।

लोसपा के राष्ट्रीय संरक्षक रघु ठाकुर का भिलाई-दुर्ग प्रवास आज

भिलाई। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय संरक्षक रघु ठाकुर आगामी 10 सितंबर को दुर्ग, रायपुर जिले के प्रवास पर आ रहे है। वे जहां 10 सितंबर को दोपहर तक भिलाई में पार्टी के छत्तीसगढ स्तर के कार्यकर्ताओं की बैठक व आगामी कार्यक्रमों की रूप रेखा तैयार करने के साथ ही 1 और 2 अक्टूबर को भिंड में होने वाली राष्ट्रीय शिविर के संबंध में और संगठन से संबंधित चर्चा करेंगे और वे प्रदेश महासचिव श्याम मनोहर सिंह के भिलाई मैत्री नगर निवास में पत्रकारों से वे भेंट कर चर्चा करेंगे। उसके पश्चात वे रायपुर में आयोजित हो रहे कार्यक्रम में शामिल होंने रायपुर रवाना होंगे। वही 11 सितंबर को प्रात: नागपुर मे होने वाले दो बडे कार्यक्रमो में शामिल होने के लिए नागपुर रवाना होंगे। उक्त जानकारी पार्टी के प्रदश अध्यक्ष अशोक पंडा ने दी।

कलेक्टर चौधरी ने जनदर्शन में सुनी जनसामान्य की समस्याएं एवं शिकायतें

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में आज 130 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन में 130 आवेदन प्राप्त हुए

जिले के विकासखण्ड पाटन के ग्राम पंचायत अचानकपुर से छाटा पुल निर्माण के दौरान पेयजल पाईप लाईन क्षतिग्रस्त होने की शिकायत पर कलेक्टर शीघ्र कार्यवाही करने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिये। भिलाई से श्री घनश्याम तिवारी ने गली और नाले पर अवैध कब्जा हटाने के लिए आवेदन किया जिसे कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्त को कब्जा हटाने के निर्देश दिये। डॉ. नवदीप शर्मा ने कोविड-19 के दौरान किये गये कार्य के संबंध में कार्यादेश की मांग पर कलेक्टर ने मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी को जांच करने के निर्देश दिये। वार्ड नं. 56 मोहलाई रोड बिजली आफिस कबीर होटल के पास नव निर्मित मोहल्ला में पानी की गंभीर समस्या के निवारण हेतु अमृत मिशन योजना के तहत नल पाईप लगाया गया है जिसे लगभग 4-5 माह हो गया है किन्तु आज तक उक्त पाईप लाईन का मेन पाईप लाईन से कनेक्शन नहीं किया गया है जिससे मोहल्लावासियों को पानी की समस्या बनी हुई है। कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्त दुर्ग को शीघ्र समस्या का निर्माण करने निर्देश दिये। कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय दुर्ग में स्टाफनर्स के पद पर कार्यरत वर्षा रानी की समस्या को भी गंभीरता से सुन कर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने निर्देश दिये। टंडन भवन वार्ड 17 सुपेला भिलाई दुर्ग के निवासी ने बताया कि घर आने जाने के रास्ते में निजी कार व दो पहिया गाड़ी को रास्ते के बीचो-बीच रख अवैध कब्जा कर लिया है, जिससे परिवार वालों को अपने घर में आने जाने एवं सामान वगैरह ले जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। परिवर में बच्चे एवं बीमार बुजुर्ग भी है। इस पर कलेक्टर ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ट्रेफिक को तुरंत कार्यवाही करने निर्देश दिये।

लक्ष्मीनारायण महाराज किल्ला मंदिर, तमेर पारा, दुर्ग के पूर्व प्रधान न्यासी स्व. परमानंद अग्रवाल जी द्वारा शहर के बाहर से मजदूरी करने दुर्ग शहर में आये परिवार वालों को न्यास की भूमि करीब 6 एकड़ पर 150-200 लोगों को 50-60 वर्ष पूर्व मात्र 5.00-10.00 रुपये प्रतिमाह की दर से रहने के लिए अस्थाई रुप से दिया गया। अवैध कब्जा हटाने के लिए कलेक्टर के समक्ष गुहार लगाने पर कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्त को शीघ्रता से कब्जे हटाने के निर्देश दिये।

जनदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना, आर्थिक सहायता, अनुकंपा नियुक्ति, सड़क मरम्मत, राशन कार्ड, अवैध कब्जा सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। इन सभी आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा है। जनदर्शन के दौरान विभिन्न विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे।

सर्विसेस जोन के अंतर्गत आने वाले विभागों के लिए शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के सर्विसेस जोन के अंतर्गत आने वाले विभागों के लिए पाली व कर्म शिरोमणि पुरस्कार समारोह का आयोजन ट्रांसपोर्ट एवं डीजल संगठन की बिल्डिंग नंबर 14 के सभागार में किया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को पाली एवं कर्म शिरोमणि पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

टी एंड डी से सहायक महाप्रबंधक अमित कुमार सिंह एवं एम आर डी से रामसजन को अप्रैल-जून 2024 के लिए पाली शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जून एवम् जुलाई माह 2024 के लिए टी एंड डी विभाग के महेंद्र कुमार अघरिया, वेंकटेश्वरलू, सुरेंद्र सिंह और राम नारायण वर्मा को सम्मानित किया गया। संविदा प्रकोष्ठ संकार्य से रजत कुमार गुप्ता तथा अग्निशमन विभाग से अंजनू राम पिस्दा को कर्म शिरोमणी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कृत कार्मिकों को उपहार, प्रमाण पत्र एवं उनके जीवन साथी हेतु प्रशंसा पत्र प्रदान किये गए।

मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक तुषार कांत ने अपने संबोधन में सर्विसेस के अंतर्गत आने वाले सभी विभागो में चुनौतियों एवं सुरक्षा के पहलूओ से अवगत कराते हुए, सभी पुरस्कृत कर्मियों को बधाई दी। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार के उत्कृष्ट कार्य करने हेतु अपने सहकर्मियों को भी प्रोत्साहित करने की बात कही। समारोह में मुख्य महाप्रबंधक सुशील कुमार, संजय धवस उपस्थित रहे स कार्यक्रम को सफल बनाने में अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी साजिद हुसैन खान, लक्ष्मी दौलतानी, अफजल खान, नीरज गुप्ता, प्रिया ठाकुर, सुश्री टिकेश्वरी साहू और अंजोर सिंह का विशेष योगदान रहा।

कार्रवाई:भारी विरोध के बीच 42 अवैध अतिक्रमण पर चला नगर निगम का बुलडोजर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत पोटिया चौक से पुलगांव जाने वाली मार्ग पर हल्के वाहनों के साथ ही भारी वाहनों की भी काफी अधिक आवाजाही बढ़ी है।साथ ही आसपास घनी आबादी है।सड़क किनारे ठेले,खोमचे सहित बांस बल्ली के छप्परों के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश पर आज निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर एवं एडीएम हरिवंश सिंह मिरी टीम के साथ उपस्थित रहकर पोटिया चौक से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।भवन अधिकारी गिरीश दीवान, राजस्व व अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, नायब तहसीलदार ढाल सिंह बिसेन, पुलगांव टीआई पुष्पेंद्र भट्ट, यातायात टीआई यश करण घ्रुव, प्रभारी बाजार अधिकारी ईश्वर वर्मा,मुकेश चन्द्राकर,अमित कुमार सहित पुलगांव एवं पद्मनाभपुर पुलिस बल नगर निगम की टीम की मौजूदगी में पोटिया कला चौक शासकीय हॉस्पिटल के आस-पास एवं पोटिया चौक क्षेत्र व शराब भट्टी सहित सड़क किनारे लगभग 42अतिक्रमण कब्जे जैसे ठेले, खोमचे और बांस-बल्ली के छप्परों को भी जेसीबी से हटाया गया।

महराजा चौक में विराजे आदियोगी पंडाल में बप्पा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महाराजा चौक में आदियोगी कोयम्बटूर तमिलनाडु की तर्ज पर बना गणेश पंडाल इन दिनों आकर्षण केन्द्र है। 50 फीट उंचा पंडाल हर व्यक्ति का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित कर रहा है।

बंगाल के कारीगारों ने एक माह इस पंडाल को सजाया गया है। श्री आदर्श गणेशोत्सव समिति का यह 15 वां वर्ष है। शिल्पकार ग्राम थनौद से 15 फीट ऊंची प्रतिमा को विराजमान किया गया है एवं विशेष तरह की कलर फूल लाइटिंग एवं आसपास के क्षेत्र को सुसज्जीत कर रहा है।

इस गणेश पंडाल की चर्चा शहर में हो रही है। अध्यक्ष धमेन्द्र चंद्राकर एवं सचिव तरुण राजपूत व समिति के सदस्यों ने बताया कि 11, 12 एवं 13 सितम्बर को महाआरती, 14 सितम्बर को 56 भोग, 15 सितम्बर को फल एवं सब्जी का भोग व भव्य विसर्जन 18 सितम्बर को शाम 5 बजे रखा गया है। पंडाल में प्रतिदिन संध्या 7 बजे आरती की जाती है।

ग्रामोद्योग विभाग द्वारा 400 बुनकरों को रोजगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। ग्रामोद्योग विभाग के हाथकरघा प्रभाग द्वारा दुर्ग जिले की 10 बुनकर सहकारी समितियों के माध्यम से 400 बुनकरों को बुनाई कार्य से सतत रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। 400 बुनकरों में से 310 महिलाएं बुनाई कार्य से आत्मनिर्भर हो रही है। जिले के बुनकरों द्वारा शाला गणवेश शार्टिंग, ट्युनिक सुटिंग, चादर, बस्ता क्लाथ आदि 50 से 55 हजार मीटर प्रतिमाह वस्त्रों का उत्पादन कर छ.ग. राज्य हाथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ मर्यादित रायपुर को प्रदाय एवं खुले बाजार में विक्रय किये जाते है। बुनकरों को बुनाई कार्य से 250 से 400 रूपए का निरंतर आमदनी हो रही है।

सहायक संचालक हाथकरघा दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार दुर्ग जिला बुनकर सहकारी समिति दुर्ग के 20, महिला हाथकरघा बुनकर सहकारी समिति दुर्ग के 34, महामाया बुनकर सहकारी समिति पाटन के 143, नागेश्वरी बुनकर सहकारी समिति नगपुरा के 60, जय चण्डी बुनकर सहकारी समिति असोगा के 60, शिवांशी बुनकर सहकारी समिति पाटन बघेरा के 15, आस्था बुनकर सहकारी समिति पाटन के 20, मां परमेश्वरी बुनकर सहकारी समिति रवेलीडीह के 20, महात्मा गांधी बुनकर सहकारी समिति अहिवारा के 05 एवं जय चण्डी बुनकर सहकारी समिति विनायकपुर के 23 इस प्रकार कुल 400 बुनकरों द्वारा बुनाई व्यवसाय से रोजगार किया जा रहा है। पूर्व में देवांगन समाज द्वारा ही बुनाई का परम्परागत कार्य किया जाता था। वर्तमान में देवांगन समाज के अतिरिक्त अन्य समाज के विशेषकर महिलाओं द्वारा इस परम्परागत बुनाई कला को अपना कर लाभान्वित एवं आत्मनिर्भर हो रही है। छ.ग. शासन ग्रामाद्योग विभाग द्वारा परम्परागत बुनाई कला को जिवंत रखने अधिक से अधिक हितग्राहियों को रोजगार उपलब्ध करने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में बुनकरों के घरों पर ही रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ हाथकरघा प्रभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से बुनकरों को लाभान्वित किया जा रहा है। शहरी स्तर की कुछ पंजीकृत बुनकर समितियां अकार्यशील होने का कारण शहर में उद्योग धंधे एवं कारखाने स्थापित होने से शहरी क्षेत्र में बुनाई से अधिक आय का बेहतर रोजगार उपलब्ध हो जाता है। बुनाई कार्य में श्रम व कौशलता दोनों की आवश्यकता होती है। इसलिए शहरी क्षेत्र की युवा पीढ़ी बुनाई रोजगार में रूचि नही लेते। किंतु ग्रामीण क्षेत्र में हाथकरघा बुनाई सें रोजगार का बहुत ही अच्छा साधन है। अकार्यशील बुनकर समितियों को कार्यशील करने का प्रयास किया जा रहा है।

टीम एसएमएस-2 ने रचा नया इतिहास

श्रीकंचनपथ न्यूज

स्लैब कास्टर-6 पर सिंगल टंडिश से 70 हीट कास्टिंग का बनाया नया रिकॉर्ड

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की टीम एसएमएस-2 ने रविवार, 8 सितंबर 2024 को स्लैब कास्टर-6 पर सिंगल टंडिश से 70 हीट कास्टिंग करके एक नया रिकॉर्ड बनाया है। कास्टिंग सिक्वेंस 6 सितंबर 2024 को आरएचआई टंडिश (नंबर 61) के साथ शुरू हुआ और 8 सितंबर को समाप्त हुआ। इससे 8400 मीट्रिक टन से अधिक वजन वाले 2755 मीटर उच्च गुणवत्ता वाले स्टील स्लैब प्राप्त हुए। यह प्रचालन कार्य 52 घंटे और 16 मिनट तक चला, जिसमें मशीन का प्रदर्शन सुचारू और निर्बाध रहा। सिंगल टंडिश से कास्टिंग का पिछला सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड 66 हीट का था जो 18 जुलाई 2023 को बनाया गया था।

उल्लेखनीय है कि लंबे कास्टिंग अनुक्रम से कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में सहायता मिलती है, क्योंकि इससे रीहीटिंग और सामग्री की लागत कम हो जाती है। टीम ने सावधानीपूर्वक प्रचालन, निवारक रखरखाव, योजनाबद्ध हीट-मेकिंग और दोषरहित कास्टिंग मशीन प्रचालन के माध्यम से इस मील का पत्थर को प्राप्त किया है। यह उपलब्धि गुणवत्ता, उत्पादकता और सुरक्षा के मूल मूल्यों के प्रति एसएमएस-2 की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पर्यूषण पर्व के समापन पर श्री त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर 6 में की गई सामूहिक क्षमा याचना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पर्युषण पर्व के समापन अवसर पर सोमवार को श्री त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर 6 में सकल श्वेतांबर जैन श्री संघ ने स्थानक भवन में पूजा अर्चना कर आपस में सभी ने संयम और प्रेम सद्भावना के साथ क्षमा याचना की। एक दूसरे से क्षमा याचना करते हुए भगवान महावीर स्वामी जी के अहिंसा परमो धर्म सिद्धांत और जियो जीने दो के अमृत संदेश जयकारा किया। पर्यूषण पर्व का समापन पर मंगल आरती के साथ आपस में सभी ने एक दूसरे को जय जिनेंद्र किया।

जानकारी देते हुए प्रदीप जैन बाकलीवाल ने बताया कि आज दिगंबर जैन महासभा के समिति सदस्यों के साथ अध्यक्ष प्रशांत जैन मंत्री सोमेश बाकलीवाल जिनेंद्र जैन वरुण जैन भारत जैन संजीव जैन आदि के द्वारा 10 लक्षण महापर्व में उपवास करने वालों का स्वागत तिलक लगाकर जैन भवन प्रांगण में अभिनंदन किया गया परम पूज्य आचार्य 108 श्री विद्यासागर महाराज जी परम पूज्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी की छायाचित्र पर भक्तों ने दीप प्रज्वलन किया। उत्तम 10 लक्षण पर्व के अवसर पर श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर के तीर्थंकर भगवान के समोसारण स्थल जैन भवन में . 1008 श्री सुमति नाथ भगवान 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान 1008 श्री आदिनाथ भगवान के अष्टधातु की प्रतिमा में भक्तों ने मंगल अभिषेक किया। जहां शांति धारा का सौभाग्य ज्ञानचंद गोल्डी बाकलीवाल महावीर प्रकाश अशोक संगीत निगोटिया, निशांत जैन, डॉक्टर अंशुल जैन ,राहुल जैन प्रशांत जैन को सौभाग्य मिला इस अवसर पर आज श्री जिनेंद्र भगवान की मंगल अभिषेक किया। इस अवसर पर सैकड़ों महिलाओं और पुरुष वर्ग ने भक्ति भाव के साथ उत्तम मारदव धर्म की पूजा कि जहां संध्या 1008 महावीर भगवान के मंगल आरती जैन भवन में भक्तों ने किया।

तत्पश्चात शास्त्री सचिन जैन ने उत्तम मारदव धर्म का अर्थ बताते हुए कहा कि हम सभी अपने जीवन में मोह माया और अहंकार क्रोध लालच का त्याग करते हुए शांति सात्विकता के साथ अपना जीवन यापन करें यही सच्चा मारदव धर्म कहलाएगा. इस अवसर पर जैन मिलन के अध्यक्ष मुकेश जैन संजय चतुर राजेश जैन आदि के उपस्थिति में जैन मिलन द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन बच्चों और बड़ों ने बहुत ही उत्साह के साथ प्रतियोगिता में भाग लेते हुए अपने उपस्थिति दर्ज की। इस अवसर पर मूलचंद बाफना, गौतम चंद टाटिया, महावीर बेगानी, बाबूलाल सेठिया, शांतिलाल टाटिया, महावीर सुराणा, निर्मल कोचर, आनंद जैन, भावेश भाई शाह, हुकुमचंद ओसवाल, संतोष बाफना, महावीर टाटिया, पुखराज जैन, राजेश मारुति, दीपक गोलछा, उत्तमचंद श्रीश्री माल, ज्ञानचंद जैन, पारस टाटिया आदि सैकड़ो बंधुओं ने क्षमा याचना की।

Since 1972

CROWN® - TV

Choice Of Millions

LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839

Rohit Electronics 94242-02866

Premier sales: 8959493000

A Leela Electronics: 9425507772

Reena Electronics: 9329132299

Shree Electronics: 7000827361

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

छत्तीसगढ़ में अब तक 993.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 993.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 09 सितम्बर सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 2192.4 मिमी और बेमेतरा जिले में सबसे कम 509.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा जिले में 535.2 सूरजपुर जिले में 933.9 मिमी, बलरामपुर में 1373.9 मिमी, जशपुर में 815.8 मिमी, कोरिया में 950.4 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 951.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी।

इसी प्रकार, रायपुर जिले में 799.1 मिमी, बलौदाबाजार में 983.8 मिमी, गरियाबंद में 962.6 मिमी, महासमुंद में 754.7 मिमी, धमतरी में 885.4 मिमी, बिलासपुर में 874.7 मिमी, मुंगेली में 986.2 मिमी, रायगढ़ में 916.5 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 570.6 मिमी, जांजगीर-चांपा में 1059.2 मिमी, सक्ती 900.8 मिमी, कोरबा में 1267.7 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 1048.2 मिमी, दुर्ग में 559.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 775.4 मिमी, राजनांदगांव में 912.2 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1056.1 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 666.9 मिमी, बालोद में 981.9 मिमी, बस्तर में 1130.6 मिमी, कोण्डागांव में 1025.9 मिमी, कांकेर में 1213.8 मिमी, नारायणपुर में 1277.5 मिमी, दंतेवाड़ा में 1373.8 मिमी और सुकमा जिले में 1544.5 मिमी औसत वर्षा एक जून से अब तक रिकार्ड की गई।

नगर सेना विभाग में महिला एवं पुरूष अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा आगामी 16 से

रायपुर। नगर सेना विभाग द्वारा 1715 रिक्त पदों पर महिला छात्रावास एवं 500 रिक्त पदों पर सामान्य ड्यूटी के लिए पुरूष एवं महिला नगर सैनिकों की भर्ती हेतु शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन आगामी 16 सितम्बर से किया गया है। जिसमें रायपुर संभाग के लिए महिला छात्रावास हेतु 450 महिला तथा महिला एवं पुरूष सामान्य ड्यूटी हेतु 200 नगर सैनिकों की शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान नगर सेना माना कैम्प में आयोजित की जाएगी। जो कि 16 सितम्बर से 4 अक्टूबर तक आयोजित होगी।

तीन दिवसीय जॉब फेयर का आयोजन आगामी 12 से

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र द्वारा स्थानीय बेरोजगार शिक्षित युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने आगामी 12 सितम्बर से 14 सितम्बर तक जॉब फेयर आयोजित किया गया है। इसका आयोजन कलेक्टोरेट स्थित पांचवा तल मल्टीनेशनल पार्किंग में किया जाएगा। जॉब फेयर का आयोजन सुबह 11 बजे से सायं 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा। बीपीओ द्वारा 12वीं पास आवेदकों की भर्ती सीएसए के पांच सौ पदों पर की जाएगी।

पाली भाषा को पाठ्यक्रम में शामिल करने उच्च शिक्षा विभाग को भेजेंगे प्रस्ताव

अम्बेडकर वेलफेयर सोसायटी की प्रबंधकारिणी बैठक में लिए गए अनेक निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत की सबसे प्राचीन ज्ञात धम्मलिपि पाली भाषा को छत्तीसगढ़ के विश्वविद्यालयीन पाठ्यक्रम में शामिल करने उच्च शिक्षा विभाग को प्रस्ताव भेजा जाएगा। छत्तीसगढ़ में महारा, माहरा इस जाति को अनुसूचित जाति में शामिल किया गया है, किन्तु जिन महार जाति के लोगों का भू-अभिलेख में माहरा लिखा है, उन्हें महार जाति का प्रमाण पत्र नहीं दिया जा रहा है, इस हेतु सामान्य प्रशासन विभाग को पत्र लिखा जाएगा। अनुसूचित जाति में उप वर्गीकरण पर उच्चतम न्यायालय का निर्णय आरक्षण ढांचे और संवैधानिक सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है, इसे दृष्टिगत रखते हुए अम्बेडकर वेलफेयर सोसायटी ने कहा है कि वह आरक्षण में क्रीमी लेयर के पक्ष में नहीं है। इसके लिए प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, भारत के संवैधानिक संस्थानों और संबंधित मंत्रालयों को पत्र भेजा जाएगा।

डॉ. अम्बेडकर वेलफेयर सोसायटी छत्तीसगढ़ की 8 सितम्बर को आयोजित प्रबंधकारिणी की बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए निहित उद्देश्यों और लक्ष्यों को प्राप्त करने गंभीर चर्चा की गई। सोसायटी के अध्यक्ष दिलीप वासनीकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ औद्योगिक नीति में अनुसूचित जाति-जनजाति के हित संवर्धन हेतु उद्योग सचिव को आवश्यक सुझाव के साथ पत्र लिखा जाएगा। उन्होंने भविष्य की योजनाओं के संबंध में उपस्थित सदस्यों को अवगत कराते हुए विस्तारपूर्वक जानकारी दी। महादेव कावरे ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जुड़कर वेलफेयर सोसायटी के लिए चिन्हांकित स्थान/भूमि का भू-आबंटन शासन से कराने हेतु की गई कार्यवाही की जानकारी दी। संस्था के उपाध्यक्ष के. एन. काण्डे ने पूर्व में लिए गए निर्णय के परिपालन को सुनिश्चित करने की दिशा में अपेक्षित प्रगति लाने प्रमुखता से बात रखी। सार्वजनिक उपक्रमों के ऑल इंडिया अनुसूचित जाति जनजाति फेडरेशन के चेयरमेन एवं वेलफेयर सोसाइटी के उपाध्यक्ष सुनील रामटेके ने अनुसूचित वर्ग के अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु कोचिंग शुरू करने की कार्ययोजना को अमल में लाने, किए जाने वाले प्रयास में तेजी लाने पर बल दिया। उपाध्यक्ष हेमराज कुटारे ने उपयोगी सुझाव दिए। संजय गजघाटे ने अनुसूचित वर्ग के युवाओं को स्व-रोजगार और उद्योग स्थापित करने की दिशा में शासन की योजनाओं की महत्वपूर्ण जानकारी दी। महासचिव कमलेश बंसोड़ ने पिछली बैठक की कार्यवाही विवरण को प्रस्तुत किया। बैठक में सोसायटी के सदस्यों की संख्या बढ़ाने हेतु अभियान शुरू करने पर चर्चा की गई। वहीं नवागत सदस्यों का स्वागत भी किया गया। कोषाध्यक्ष मदन मेश्राम ने वर्ष 2023-24 के आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। बैठक में लेखा व्यय विवरण को स्वीकृति देकर अनुमोदन किया गया। बैठक में एक नए संरक्षक सदस्य को बनाने के संबंध में नियमावली में आवश्यक संशोधन कर नियमानुसार कार्यवाही करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में सचिव अशोक ढवले, यू.के. मेश्राम, कैलाशचन्द्र रामटेके, काशीनाथ रंगारे, श्रीमती नेहा वासनीकर, श्रीमती कमलेश मंजू बंसोड़ और अन्य पदाधिकारियों सहित नवागत सदस्यों में भाऊराव उके और अन्य लोगों में ऋषिकांत रामटेके, मीतेश जोशी, बालाराम कोलते आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर ने ली समय-सीमा की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय रेडक्रास सोसायटी की रायपुर इकाई में राज्य गठन के बाद सदस्यता अभियान के तहत सर्वाधिक सदस्य बनाए गए। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की पहल पर एक ही दिन में 71 अधिकारियों को आजीवन सदस्य बनाया गया। सर्वप्रथम कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप ने आजीवन संरक्षक सदस्यता ली। इसके अलावा 20 अधिकारी-कर्मचारियों ने वार्षिक और एक अधिकारी ने एसोसिएट आजीवन सदस्यता ली। कलेक्टर ने अधिकारियों से रेडक्रास के आजीवन सदस्य बनने का आग्रह करते हुए कहा कि रेडक्रास के माध्यम से हम मानव सेवा कर सकते हैं। यह संस्था आपदा के समय जरूरतमंद लोगों की मदद करती है। इसकी सदस्यता लेकर हमें भी ऐसे पुनीत कार्यों में सहयोग देना चाहिए। उनके आग्रह पर अधिकारियों ने बैठक के दौरान ही इंडियन रेडक्रास सोसायटी की आवेदन फार्म भरा और सदस्यता ली। साथ ही अन्य लोगों को रेडक्रास की सदस्यता लेने का आग्रह किया।

कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक के दौरान कहा कि सभी ब्लॉक में जाति, आय, निवास प्रमाण-पत्र के लिए स्कूलों में शिविर लगाये जा रहे हैं। उनमें सभी पात्र विद्यार्थियों के प्रमाण-पत्र जल्द से जल्द बनाए। इन शिविरों में अन्य पात्र लोगों के भी उक्त प्रमाण बनाए जाए। सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी और राजस्व अधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करें। बटांकन के लंबित प्रकरणों को तेजी से निपटारा किया जाए।

डॉ. सिंह ने कहा कि राशन कार्ड के नवीनीकरण में तेजी लाएं और जो भी पात्र हितग्राही आवेदन करते है, उसका समय-सीमा के भीतर राशन कार्ड बनाए। साथ ही आयुष्मान कार्ड के लिए भी विशेष प्रयास किए जाए। मितानिनों के माध्यम से घर-घर सर्वे कराकर आयुष्मान कार्ड की अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराए और जिनका कार्ड नहीं बना है उन्हें बनवाए।

उन्होंने सुझाव दिया कि जिला स्तर पर एक रक्तदान शिविर का आयोजन कराया जा सकता है। जिसमें सभी विभागों के इच्छुक अधिकारी-कर्मचारी पहल कर रक्तदान कर सकते हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि रक्तदान से किसी दुर्घटना, बीमारी या अन्य किसी समय में मरीज को रक्त उपलब्ध करा सकते हैं। इससे उसकी जान बचेगी साथ ही वैज्ञानिक तथ्यों यह भी सिद्ध हुआ कि रक्तदान करने से व्यक्ति स्वस्थ्य रहता है। कलेक्टर ने 15 सितम्बर को होने वाली छात्रावास अधीक्षक की परीक्षा व्यापमं द्वारा आयोजित की जा रही है। इस परीक्षा के आयोजन में सावधानी बरती जाए। इस बैठक में नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, अपर कलेक्टर, एसडीएम एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

जनदर्शन में लोगों की सुनी समस्याएं

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने आज रेडक्रॉस सभाकक्ष मे आयोजित जनदर्शन मे आम नागरिकों की समस्याओ को सुना। कलेक्टर ने आम नागरिकों की समस्याओं का निराकरण करने का निर्देश भी दिया। इस दौरान अनेकों आवेदन प्राप्त हुआ। उन्होंने प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने मठपुरैना निवासी श्रीमती भानमति पठारी को श्रमकार्ड बनाकर योजना का लाभ दिलाने का निर्देश दिया। बता दें कि श्रीमति पठारी के पति की 8 महीने पहले मृत्य हो गई थी। जिसके बाद उन्हें अपने 2 बच्चों को पालन पोषण में परेशानी का सामना करना पड रहा है। उनके पति के पास न तो आवास और न ही किसी प्रकार की संपति थी। इसलिए उनको रहने में भी परेशानी का सामना करना पड रहा है। साथ ही घर वाले किसी प्रकार की मदद नहीं कर रहे हैं।

जनदर्शन के दौरान की धरसींवा के ग्राम पथरी निवासी श्रीमती विद्या बघेल ने चिटफंड कंपनी पल्सग्रीन का पैसा वापस दिलाने के लिए आवेदन दिया। जिसके लिए कलेक्टर ने एडीएम को मामले की जानकारी लेने का निर्देश दिया। अभनपुर के ग्राम पलौद निवासी संतोष साहू ने भूअभिलेख का नक्शा सुधारने का आवेदन दिया। जिसे कलेक्टर ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए सुधार कार्य करने का निर्देश दिया। आंरग के भानखोज निवासी मानिकराम बंजारे ने भूस्वामी अधिकारी पटटा के लिए आवेदन दिया। रायपुरा निवासी अब्दुल मलिक खान ने शहीद भगत सिंह थोक सब्जी मंडी में दुकानों की रजिस्ट्री व कब्जा दिलाने का आवेदन दिया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अविनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व सैनिक सम्मेलन के दौरान अलग-अलग बिंदुओं पर चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय रायपुर में सोमवार को पूर्व सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधीश डॉ. गौरव कुमार सिंह ने की। आयोजन में भूतपूर्व सैनिकों और जिला समिति के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

पूर्व सैनिक सम्मेलन के दौरान अलग-अलग बिंदुओं पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने पूरी गंभीरता से पूर्व सैनिकों के विषयों को सुना और हर संभव सहायता करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के अधिकारी कैप्टन (भारतीय नौसेना) एक. के. शर्मा ने कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं के निदान के लिए मीटिंग करने का निवेदन किया, जिसे कलेक्टर ने स्वीकार किया।

इस अवसर पर आलोक कैप्टन (भा नौ.) अर्जित दास, कैप्टन (भा.नौ.) मिश्रा, आन. लेफ्टी. एस के. शुक्ला, आन. कैप्टन वीरेंद्र सिंह, आम वैतवदाम योवार्थमा विपर्ण, नायक योगेश कुमार, सुश्री सुधा सक्सेना, हवलदार विजय डागा, सिपाही राजेश पांडेय, सूबेदार आर पी मिश्रा, सिपाही छोटे लाल, हवलदार राजेश तिवारी और हवलदार नस्कर पाल मौजूद रहे।

प्रदेश स्तरीय श्रमिक सम्मेलन 17 को

रायपुर। श्रम विभाग द्वारा मंगलवार 17 सितम्बर को विश्वकर्मा जयंती पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य व श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन की अध्यक्षता में प्रदेश स्तरीय श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन राजधानी के बुढ़ापारा स्थित बलबीर सिंह जुनेजा इन्डोर स्टेडियम में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों के लिए संचालित 30 जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत ऑनलाईन प्राप्त आवेदन में से पात्र हितग्राहियों को योजना में प्रावधान अनुरूप सहायता राशि से लाभान्वित किया जाना है। साथ ही कार्यक्रम अंतर्गत श्रमिक हित में किये जा रहे विभाग के प्रयासों एवं सफ्लताओं को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रदर्षित किया जावेगा। इस आशय की जानकारी छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल सचिव सविता मिश्रा ने प्रदेश के श्रमिकों से अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर इस कार्यक्रम को सफ्ल बनाने का आह्वान किया है।

दिगंबर जैन समाज के धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भाद्रपद मास में पड़ने वाले दिगंबर जैन धर्म के पर्युषण महापर्व को लेकर राजधानी के सभी दिगंबर जैन मंदिरों में उत्साह का माहौल है। सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष नरेश सिंघई ने जानकारी दी कि यह पर्व भाद्रपद पंचमी से शुरू होकर चतुर्दशी तक मनाया जाता है और इसे दश लक्षण पर्व के रूप में भी जाना जाता है। जैन धर्म में इसे 12 वे तीर्थंकर वासुपुज्य भगवान के मोक्षकल्याणक के रूप में भी मनाया जाता है। जैन धर्मावलंबियों द्वारा यह पर्व आत्मा को पवित्र बनाने के लिए मनाया जाता है। जैन धर्म में पर्यूषण पर्व का एक अलग ही महत्व है। इस पर्व को सबसे महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है, इसलिए पर्यूषण पर्व को महापर्व भी कहा जाता है। जैन धर्म में यह पर्व दस दिन तक मनाया जाता है। दस दिन तक जैन धर्मावलंबिय अलग-अलग नियम,धर्म, व्रत और कर्म करते हैं. जिससे उन्हें सभी पापों से मुक्ति मिलती और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

इस पर्व के दौरान, जैन धर्मावलंबी दस दिनों तक विभिन्न धार्मिक नियमों, व्रतों और उपासना का पालन करते हैं। इन दस दिनों को दशलक्षण के रूप में मनाया जाता है, जिसमें हर दिन एक विशेष गुण का पालन किया जाता है। दशलक्षण पर्व का अंतिम दिन क्षमावाणी के रूप में मनाया जाता है, जिसमें सभी आपस में क्षमा मांगते हैं और अपनी गलतियों के लिए माफी मांगते हैं। रायपुर में नौ प्रमुख दिगंबर जैन मंदिरों में प्रतिदिन प्रात:काल धार्मिक अनुष्ठान, अभिषेक, शांतिधारा, संगीतमय आरती, पूजन, और विधान भक्ति के साथ आयोजित किए जा रहे हैं। प्रमुख मंदिरों में श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर (मालवीय रोड), श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर (टैगोर नगर), और श्री चंद्रप्रभ जिनालय (शंकर नगर) शामिल हैं।

प्रतिदिन इन मंदिरों में भक्तजन बड़ी संख्या में उपस्थित होते हैं और भगवान पर प्रासुक जल से जलाभिषेक एवं शांतिधारा करते हैं। इसके अलावा, अष्ट द्रव्यों से निर्मित अर्घ्य चढ़ाकर सामूहिक पूजन और विधान में भाग लेते हैं। धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी धूम है। बच्चों, युवाओं, और महिलाओं के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें।

इनमें जैन गॉट टैलेंट 2.0, सोलह श्रृंगार, और बेस्ट जोड़ी 2.0 जैसे रोचक कार्यक्रम भी शामिल हैं। 9 से 17 सितंबर तक विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें महिला मंडल, युवाओं और बच्चों की विशेष भागीदारी रहेगी।

नि:शुल्क भोजन सेवा

आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर (मालवीय रोड) और पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर (टैगोर नगर) में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक बाहर से आए छात्रों और व्यापारियों के लिए नि:शुल्क भोजन की व्यवस्था भी की गई है।

विशेष आयोजन

12 सितंबर को खेल खेल में बने ज्ञानी हम प्रभारी- महामंत्र ग्रुप, 13 सितंबर को सोलह श्रृंगार (दिगम्बर जैन महिला मंडल मालवीय रोड) 14 सितंबर को जैन गॉट टैलेंट 2.0 (दिगम्बर जैन महिला मंडल) 15 सितंबर को बेस्ट जोड़ी 2.0 (प्रभारी, दिगम्बर जैन महिला मंडल) तथा 17 सितंबर को निर्वाण लाडू सजाओ प्रतियोगिता और महाआरती का विशेष आयोजन किया जाएगा, जिसमें पारंपरिक वेशभूषा में श्रद्धालु भाग लेंगे।

दसलक्षण महापर्व के दौरान, राजधानी रायपुर में दिगंबर जैन समाज धार्मिक उल्लास और आस्था के साथ इस महापर्व को मना रहा है, जो समाज के सभी वर्गों के लिए एकता और भक्ति का प्रतीक बना हुआ है।

700 ट्रेनी एसआई, एएसआई व सिपाहियों ने किया जुबा डांस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के पुलिस ट्रेनिंग सेंटर से मनमोहक वीडियो सामने आया है। वीडियो में छत्तीसगढ़ पुलिस के जवान फिट रहने और तनाव दूर करने के लिए जुम्बा डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। ये सभी जवान छत्तीसगढ़ी सांग 'हमर पारा, तुंहर पारा' की संगीत पर डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, रायपुर पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में पुलिस जवान निरीक्षक, एसआई, एएसआई, हेट कॉन्स्टेबल और कॉन्स्टेबल समेत 700 जवानों ने एक साथ एरोबिक्स और जुंबा डांस किया। ये सभी जवान प्रदेशभर से ट्रेनिंग के लिए रायपुर पहुंचे हैं।

पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में पुलिसकर्मियों की ट्रेनिंग के दौरान, उनकी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जाता है। ट्रेनिंग के बाद जवानों के लिए फिटनेस कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिससे वे अपने काम के दौरान होने वाले तनाव को कम कर सकें। जुंबा डांस भी इसी का एक हिस्सा है जो पुलिसकर्मियों की शारीरिक और मानसिक फिटनेस को बढ़ावा देता है।

अवनीत कौर का ब्लू ब्रालेट में दिखा बोल्ड अंदाज

छोटे पर्दे से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर हमेशा बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर कर सोशल मीडिया पर सुर्खियों में बनी रहती हैं। उनका हॉट लुक इंटरनेट पर शेयर होते ही वायरल होने लगता है।

टीवी की मशहूर अभिनेत्री अवनीत कौर अपनी खूबसूरती और अंदाज के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ बेहद हॉट और बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्होंने उनके फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में अवनीत कौर ब्लू ब्रालेट में नजर आ रही हैं। उनके खुले बाल और लाइट मेकअप उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहे हैं। अवनीत ने इन तस्वीरों में बेहद कातिलाना पोज दिए हैं, जिन्होंने उनके फैंस का दिल जीत लिया है। अवनीत की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और उनके फैंस इन पर जमकर लाइक्स और कमेंट्स कर रहे हैं। फैंस उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

एक्ट्रेस अवनीत कौर आए दिन अपने नए-नए लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।

उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी पोस्ट शेयर करती हैं तो फैंस उन पर दिलखोलकर लाइक्स करते हैं।

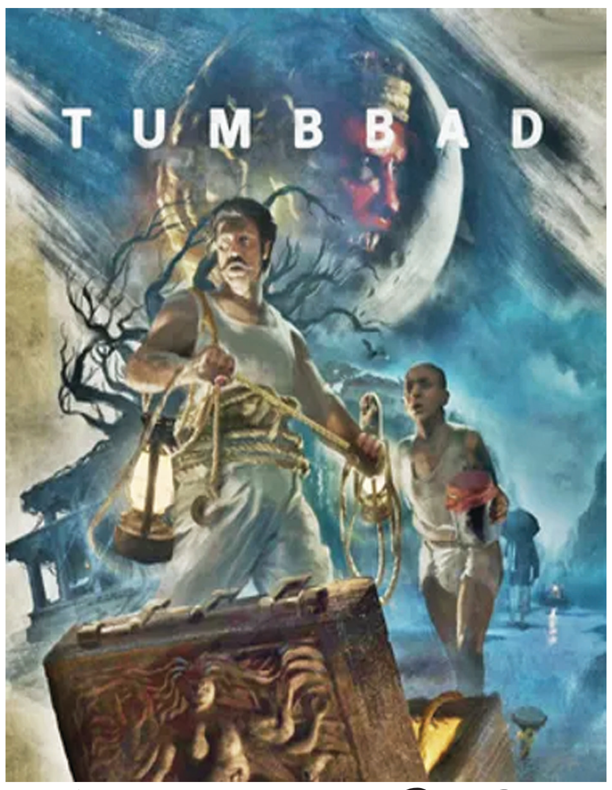

सोहम शाह अभिनीत फिल्म तुम्बाड की री-रिलीज का ट्रेलर जारी

तुम्बाड अपनी री-रिलीज के लिए तैयार है। ऐसे में सोहम शाह ने फिल्म का एक नया ट्रेलर जारी किया है। 2018 में आई इस फिल्म ने जबरदस्त असर छोड़ा था, और यह नया ट्रेलर दिखाता है कि क्यों यह आज भी खास है। बीते कई दिनों से फिल्म तुम्बाड चर्चा में बनी हुई है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा में हैं।

ट्रेलर फिल्म की भयानक और कल्पनाशील दुनिया में ले जाता है, जहां हॉरर और फैंटेसी का अनोखा मेल देखने को मिलता है। फिल्म का सुंदर डिजाइन और साउंड को ट्रेलर में बेहतरीन तरीके से दिखाया गया है, जो दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ाता है।

इस री-रिलीज के साथ, पुरानी फैंस और नए दर्शकों को तुम्बाड का अनुभव करने का एक नया मौका मिलेगा। फिल्म ने 64वें फिल्मफेयर अवार्ड्स में कई पुरस्कार जीते थे, और यह 75वें वेनिस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पहली बार प्रदर्शित हुई थी।

राही अनिल बारवे द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण सोहम शाह, आन्नंद एल। राय, मुकेश शाह और अमिता शाह ने किया है। फिल्म में सोहम शाह, ज्योति माल्शे और अनिता दाते केलकर के शानदार प्रदर्शन के लिए जानी जाती है।

तुम्बाड 2024 में किसी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं है, इसलिए इसे सिनेमाघर में ही देख सकते हैं। 13 सितंबर 2024 को याद रखें और ट्रेलर देखकर जानिए कि तुम्बाड क्यों एक अनोखी फिल्म है।

विष्णु मांचू ने उठाया कन्नप्पा की रिलीज की तारीख से पर्दा! इस दिन सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

कन्नप्पा विष्णु मांचू की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को और खास बनाने के लिए विष्णु मांचू पूरी मेहनत कर रहे हैं। फिल्म में कई दिग्गज सितारों की महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। विष्णु मांचू तेजी से अपनी फिल्म पर काम कर रहे हैं और लगातार बड़ी जानकारियां साझा कर रहे हैं। फिल्म को लेकर विष्णु ने बड़ा एलान किया है। आखिरकार अभिनेता ने फिल्म की रिलीज की तारीख से पर्दा उठा दिया है।

विष्णु मांचू ने अपनी आगामी बड़े बजट की फिल्म कन्नप्पा की रिलीज की घोषणा की। उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए यह जानकारी दी कि फिल्म दिसंबर 2024 में रिलीज होगी। कन्नप्पा एक पौराणिक फिल्म है, जो पूरी होने वाली है। मई में फिल्म का टीजर प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। बाद में 14 जून को भारत में टीजर रिलीज किया गया और इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

विष्णु मांचू ने एक्स पर कन्नप्पा की रिलीज की घोषणा की। उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए लिखा, दिसंबर 2024 कन्नप्पा, हर हर महादेव। वहीं फिल्म की कहानी की बात करें तो कन्नप्पा एक पौराणिक काल्पनिक फिल्म है, जिसका निर्देशन मुकेश कुमार ने किया है। यह फिल्म हिंदू भगवान शिव के कट्टर भक्त कन्नप्पा नामक व्यक्ति की कहानी पर आधारित है। कन्नप्पा का टीजर एक्शन से भरपूर था।

कन्नप्पा की पटकथा विष्णु मांचू ने लिखी है और कहानी का निर्माण परुचुरी गोपाल कृष्ण, ईश्वर रेड्डी, जी नागेश्वर रेड्डी और थोटा प्रसाद ने मिलकर किया है। फिल्म में मोहन बाबू, सरथकुमार, मुकेश ऋषि, ब्रह्मानंदम, मधु और प्रीति मुखुनदन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। वहीं प्रभास के किरदार को लेकर खबर है कि वे फिल्म में कैमियो रोल निभाएंगे। प्रभास फिल्म में नंदी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि अक्षय कुमार फिल्म में भगवान शिव की भूमिका निभा रहे हैं और अफवाह है कि अनुष्का पार्वती की भूमिका निभाएंगी।

फिल्म की शूटिंग न्यूजीलैंड में हुई है। एवा एंटरटेनमेंट और 24 फ्रेम्स फैक्ट्री द्वारा निर्मित इस फिल्म का संगीत मणि शर्मा और स्टीफन देवासी द्वारा दिया जाएगा। कन्नप्पा की आधिकारिक रिलीज की तारीख आने वाले महीनों में घोषित की जाएगी।

लैला मजनू के अच्छा प्रदर्शन न करने पर दिल टूट गया था : तृप्ति डिमरी

2018 में फिल्म लैला मजनू से अपनी शुरुआत करने वाली अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने बॉलीवुड में अपने छह साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने कहा कि शुरुआत में इस फिल्म के अच्छा प्रदर्शन न करने के कारण मेरा दिल टूट गया था। अगस्त में फिल्म लैला मजनू को दोबारा रिलीज किया गया और इसने अच्छी कमाई की। इस बारे में अभिनेत्री ने कहा, जब लैला मजनू ने अपनी पहली रिलीज पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, तो मैं बहुत दुखी हो गई थी। लेकिन अब यह देखना अविश्वसनीय है कि लोगों ने इसे कैसे अपनाया।

साजिद अली द्वारा निर्देशित इस रोमांटिक ड्रामा को इम्तियाज अली ने प्रजेंट किया है। वहीं प्रीति अली, एकता कपूर और शोभा कपूर ने इसका निर्माण किया है। यह फिल्म लैला और मजनू की कहानी है।

तृप्ति डिमरी ने कहा, मैं हर दिन प्रशंसकों से इस फिल्म के लिए तारीफ सुनती हूं। यह एक ऐसा प्रोजेक्ट था जिसमें हम सभी ने पूरे दिल से मेहनत की थी। यह फिल्म हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखेगी। मुझे उम्मीद है कि यह दुनिया भर के दिलों को छूती रहेगी और इसके लिए लोगों का प्यार कभी कम नहीं होगा।

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी अब राजकुमार राव के साथ विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में अभिनय करने के लिए तैयार हैं। वह कार्तिक आर्यन अभिनीत हॉरर-कॉमेडी फ्रैंचाइजी भूल भुलैया 3 में भी नजर आएंगी। इसके साथ ही वह धड़क 2 में भी नजर आएंगी।

करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर आगामी फिल्म का पहला लुक शेयर करते हुए लिखा, यह कहानी थोड़ी अलग है। एक बार एक राजा और एक रानी थे, दोनों अलग-अलग जातियों के थे। शाजिया इकबाल द्वारा निर्देशित, सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी अभिनीत 'धड़क 2', फिल्म 22 नवंबर को सिनेमाघरों में आएगी।

फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी भी हैं। दोनों अलग-अलग दुनिया के किरदारों को निभाएंगे। यह फिल्म शोषित जातियों के लोगों के खिलाफ भेदभाव के मुद्दे पर प्रकाश डालती है।

'धड़क' फ्रैंचाइज के पहले भाग में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। जिन्होंने ईशान खट्टर के साथ अभिनय किया था। यह फिल्म नागराज मंजुले द्वारा निर्देशित मराठी ब्लॉकबस्टर 'सैराट' से रूपांतरित की गई थी। धड़क 2' सिनेमाघरों में 22 नवंबर को आने वाली है।

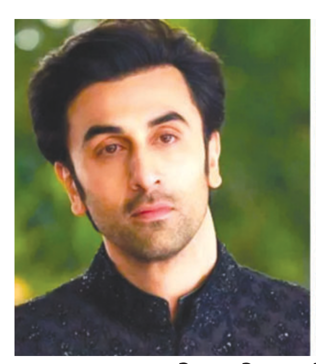

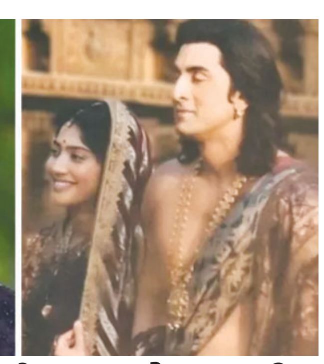

रामायण के सेट से एक और तस्वीर हुई वायरल, कुछ इस अंदाज में दिखे रणबीर कपूर

एनिमल की सफलता के बाद अब रणबीर कपूर अपनी आगामी फिल्म रामायण में व्यस्त हैं। फिल्म के सेट से कई तस्वीरें वायरल हो चुकी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ महीनों की शूटिंग के बाद मेकर्स ने फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा कर लिया है जिसकी तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। हाल ही में रणबीर की सेट से एक और तस्वीर सामने आई है।

रणबीर कपूर पिछले काफी समय से अपनी आगामी माइथोलॉजिकल फिल्म 'रामायण-पार्ट 1' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के लिए उन्होंने तीर-अंदाजी से लेकर अपनी फिटनेस तक पर काफी ध्यान दिया था। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही मैग्नम ओपस फिल्म की शूटिंग कुछ महीने पहले मुंबई के फिल्म सिटी में शुरू हुई थी। रणबीर कपूर से लेकर साई पल्लवी-अरुण गोविल और लारा दत्ता जैसे सितारों की रामायण के सेट से अब तक कई तस्वीरें लीक हो चुकी हैं। हाल ही में 'रामायण' के 'राम' रणबीर कपूर की एक और तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसे देखकर फैंस के चेहरे खिल उठेंगे।

रणबीर कपूर की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें ये दावा किया जा रहा है कि फिल्म के पहला शेड्यूल रैपअप हो चुका है। 'एनिमल' एक्टर के फैन क्लब ने एक्स अकाउंट पर 'रामायण' के सेट से उनकी कई तस्वीरें शेयर की हैं।

दो भागो में रिलीज होगी नितेश तिवारी की रामायण

इससे पहले जो तस्वीर सामने आई थी, उसमें रणबीर और साई पल्लवी श्रीराम और माता सीता के गेटअप में दिखाई दे रहे थे, इसके अलावा लारा दत्ता का भी कैकेयी के लुक में तस्वीरें वायरल हुई थी। आपको बता दें कि इस फिल्म में रणबीर-साई के अलावा लारा दत्ता, सनी देओल, अरुण गोविल, केजीएफ एक्टर यश भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, अनाउंसमेंट के बाद से ही नितेश तिवारी इस फिल्म पर काफी टाइट लिप हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स रामायण को दो भागो में रिलीज करने की प्लानिंग कर रहे हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि मेकर्स मूवी को 2027 में रिलीज करने की सोच रहे हैं।

ये 7 लोग बैंगन को तुरंत कर दें टाटा-बाय-बाय...वरना बिगड़ जाएगी सेहत

बैंगन का नाम सुनते ही बहुत से लोग नाक-भौं सिकोड़े लगते हैं। उन्हें यह सब्जी बिल्कुल भी पसंद नहीं होती है लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिनका बैंगन फेवरेट होता है। वे इसकी सब्जी, चोखा, भरवा बनाकर खाते हैं। बैंगन एक ऐसी सब्जी है जो सालभर मिलती है। ठंड में इसे ज्यादा खाया जाता है।

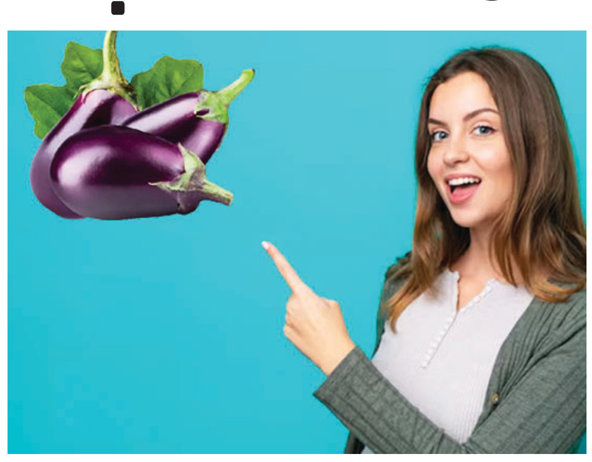

सर्दी के मौसम में बैंगन हेल्दी बताया जाता है। इससे ब्लड शुगर कंट्रोल हो सकता है और दिल की बीमारियों में फायदेमंद माना जाता है। कुछ लोगों को बैंगन से दूरी बनाकर रखनी चाहिए, वरना उनके लिए दिक्कतें बढ़ भी सकती हैं। यहां जानिए किन लोगों को बैंगन भूलकर भी नहीं खाना चाहिए।

बैंगन न खाएं 7 लोग

■ स्किन एलर्जी

अगर किसी को शरीर में किसी तरह की एलर्जी है तो उन्हें बैंगन से बनी कोई भी चीज नहीं खानी चाहिए, वरना उनकी एलर्जी और भी ज्यादा बढ़ सकती है। ऐसे लोगों को डॉक्टर बैंगन खाने से बचने की सलाह देते हैं।

■ डिप्रेशन

ऐसे लोग जिन्हें डिप्रेशन की समस्या है, उन्हें भी बैंगन नहीं खाना चाहिए, क्योंकि डिप्रेशन में लगातार लोग दवाईयां काते हैं और ऐसे में बैंगन शरीर में पहुंचकर दवाओं के असर को कम कर सकता है।

■ खून की कमी

अगर किसी के शरीर में खून की कमी है तो उन्हें गलती से भी बैंगन नहीं खाना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि बैंगन शरीर में खून बनाने की प्रक्रिया को ही प्रभावित कर सकता है और कई तरह की समस्याएं बढ़ा सकता है।

■ पेट की समस्या

बैंगन बादी होता है, इसका मतलब इसे खाने से गैस बन सकती है। ऐसे में अगर किसी को गैस या पेट की समस्या होती है तो उन्हें बैंगन से बनी किसी चीज से परहेज करना चाहिए, वरना परेशानी बढ़ सकती है।

■ पाइल्स

पाइल्स यानी बवासीर बेहद खतरनाक बीमारी है। इसमें डॉक्टर बैंगन खाने से मना करते हैं। ऐसे लोगों अगर गलती से भी बैंगन खा लें तो उनके लिए मुश्किलें खड़ी हो जाएंगी।

■ आंख की समस्या

आंखों में जलन, चुभन, एलर्जी और सूजन जैसी समस्याएं हैं तो बैंगन न खाएं, वरना दिक्कतें ज्यादा बढ़ सकती हैं। आंख में होने वाली इन समस्याओं के दौरान बैंगन खाना बिल्कुल भी ठीक नहीं है।

■ किडनी स्टोन

बैंगन में ऑक्सलेट होता है जो पेट में पथरी बना सकता है। ऐसे में अगर किसी को स्टोन की प्रॉब्लम है तो उन्हें बैंगन नहीं खाना चाहिए।

क्या वाकई बियर पीने से कम हो जाता है हार्ट अटैक का खतरा जान लीजिए सच

एक रिसर्च के मुताबिक रोजाना एक गिलास बियर पीने से दिल काफी ज्यादा सेहतमंद रहता है। एक रिसर्च के मुताबिक बियर पीने के एक घंटे के अंदर नसें अधिक लचीली हो जाती है और हार्ट के अंदर ब्लड सर्कुलेशन भी काफी अच्छा होता है। बियर पीने से दिमाग के डोपामाइन एक्टिव हो जाती है। जिसके कारण हैप्पी मूड रहता है। डोपामाइन हैप्पी हार्मोन होता है।

बियर पीने के फायदे

बियर पीने के बाद यह एक्टिव हो जाता है। सिर्फ इतना ही नहीं बियर में पके हुए मांस में पाए जाने वाले कार्सिनोजन की संख्य कम करी संख्या होती है। जब भी आप कहीं पार्टी का प्लान करेंगे। तो उससे पहले भरपूर खाना खाएं। क्योंकि जब आप खाली पेट बियर पिएंगे तो इसका आंतों पर बुरा असर पड़ता है। इसके कारण ब्लड में यह जल्दी घुल जाता है। अगर आप खाली पेट शराब पिएंगे तो तेजी से नशा चढ़ता है।

रिसर्च के मुताबिक हार्ट और कैंसर की रोकथाम करता है बियर

कई रिसर्च ये भी बताती हैं कि जो लोग बीयर पीते हैं वो लंबी उम्र तक जीते हैं। हालांकि ये भी कहा जाता है कि बीयर पीने से मोटापा भी बढ़ता है, लेकिन कई रिसर्च बताती हैं सीमित मात्रा में बीयर पीने से वजन नहीं बढ़ता। साथ ही इसमें कैलोरी भी बहुत कम होती है। कई रिसर्च के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति बियर पीता है तो उसकी उम्र लंबी हो जाती है।

हालांकि, यह भी कहा जाता है कि बियर पीने से काफी ज्यादा मोटापा भी बढ़ता है।

बियर नैचुरली प्रिजरवेटिव होती है

वहीं कई लोग यह कहते हैं कि सीमित मात्रा में बियर पीने से वजन नहीं बढ़ता है। इससे कैलोरी भी कम होती है। बियर नैचुरली प्रिजरवेटिव होती है। इसमें कोई खास तरह की मिलावट नहीं होती है। यह ब्रेड की तरह फर्मेंटेड करके बनती है। अगर आप सीमित मात्रा में बियर पिएंगे तो कैंसर और हार्ट अटैक जैसी बीमारियों का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है। बैड कोलेस्ट्रॉल और गुड कोलेस्ट्रॉल के लिए आप बियर पी सकते हैं। हड्डियां मजबूत करने से लेकर किडनी स्टोन के खतरे से बचाना है तो आप बियर पी सकते हैं। परंतु आपको लिमिट मात्रा में बियर पीना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने लोगों से की अपील: गरज-चमक के वक्त सुरक्षित स्थानों पर रहें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बरसात में बादलों की गरज के दौरान लोगों से सुरक्षित स्थान पर रहने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि प्रदेशवासियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। आकाशीय बिजली से बचने का सावधानी ही उपाय है। इसलिए सतर्क रहें और वज्रपात से बचाव के निर्देशों का गंभीरता से पालन करें। मुख्यमंत्री ने विगत दिनों प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आकाशीय बिजली गिरने से जनहानि की घटनाओं पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने ऐसी घटनाओं से बचने नागरिकों से सभी जरूरी सावधानियां बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर आकाशीय बिजली और वज्रपात से बचाव के लिए स्थानीय भाषा में सुरक्षा उपायों का प्रदर्शन करने और लोगों को जागरूक करने के निर्देश जारी किए गए हैं। नगरीय निकायों, पंचायतों और गैर-सरकारी संगठनों को भी विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने को कहा गया है।

मुख्यमंत्री साय ने तेज बिजली चमकने या बिजली गिरने की आशंका पर अपनी और अपनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इससे बचाव के उपायों का कड़ाई से पालन करने को कहा है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे बादलों की गरज के दौरान सुरक्षित स्थान पर रहें, घर के अंदर रहें तथा पेड़ों और बिजली के खंभों से दूरी बनाकर रहें। उन्होंने इस दौरान धातु की वस्तुओं से दूरी बनाए रखने, बरसात के समय धातु की चीजें जैसे छाता, छड़ और तार को नहीं छूने को कहा है क्योंकि ये बिजली को आकर्षित कर सकते हैं। श्री साय ने बादल गरजने के समय दौरान लोगों को जलाशयों, तालाबों, नदियों और स्विमिंग पूलों से दूर रहने की अपील की है क्योंकि पानी में बिजली की संवेदनशीलता अधिक होती है।

एल्युमिनियम प्लांट हादसे की जांच के आदेश

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सरगुजा जिले ग्राम सिलसिला में संचालित एल्युमिनियम प्लांट में हुए औद्योगिक हादसे पर संवेदना प्रकट करते हुए मामले की जांच के आदेश दिए हैं। जिसके परिपालन में कलेक्टर सरगुजा द्वारा जांच दल का गठन किया गया है।

गौरतलब है कि सरगुजा जिले के जनपद पंचायत लुण्ड्रा के ग्राम सिलसिला में संचालित मां कुदरगढ़ी एल्युमिनियम प्लांट में 8 सितंबर की सुबह औद्योगिक हादसे में 04 लोगों की मृत्यु हुई थी। जिस पर मुख्यमंत्री ने संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन को घटना की त्वरित जांच के आदेश दिए हैं। कलेक्टर सरगुजा द्वारा गठित जांच दल में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लुण्ड्रा, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस लुण्ड्रा, जिला श्रम पदाधिकारी अंबिकापुर, प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र अंबिकापुर और औद्योगिक एवं सुरक्षा अधिकारी अंबिकापुर को शामिल किया गया है। जांच दल के द्वारा घटना स्थल पर जाकर जांच कर प्रतिवेदन दो दिवस के भीतर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

श्याम पांडेय व कमला देवी के निधन पर सीएम ने जताया दुख

मुख्यमंत्री श्री साय ने पूर्व सांसद सुश्री सरोज पांडेय के पिता श्याम पांडेय के निधन पर गहरा दु:ख प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने उनके परिवारजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। उन्होंने ईश्वर से शोक संतप्त परिवारजनों को दु:ख की इस घड़ी में संबल प्रदान करने और मृत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू की धर्मपत्नी श्रीमती कमला देवी साहू के निधन पर गहरा दु:ख प्रकट किया है। उन्होंने श्रीमती कमला देवी साहू के शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

चक्रधर समारोह : कथक और ओडिसी नृत्य ने किया दर्शकों को मंत्रमुग्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सुर-ताल, छंद और घुंघरू के 39 बरस के अवसर पर चक्रधर समारोह में दूसरे दिन दिल्ली, कलकत्ता और रायपुर से आए कलाकारों के द्वारा प्रस्तुत कथक और ओडिसी नृत्यों ने दर्शकों मंत्रमुग्ध कर दिया। ओडिसी नृत्य की प्रसिद्ध कलाकार डॉ.पूर्णाश्री राउत और पद्मश्री रंजना गौहर एवं कथक नृत्यांगना दीपान्निता सरकार ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी। इन कलाकारों के भाव भंगिमा ने सब का मन मोह लिया।

प्रसिद्ध ओडिसी नर्तक डॉ.पूर्णाश्री राउत ने भगवान जगन्नाथ को समर्पित धार्मिक पूजा गीत को ओडिसी नृत्य के माध्यम से प्रस्तुति दी। दर्शकगण भगवान जगन्नाथ के धार्मिक गीत आराधना देख भक्तिमय माहौल में डूब गए। उनके भाव भंगिमा युक्त ओडिसी नृत्य ने दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। दिल्ली से पहुंची लखनऊ घराने कथक नृत्यांगना सुश्री दीपान्निता सरकार और जयपुर घराने के कलाकार सौरभ ने लखनऊ और जयपुर घराने के कथक की बेजोड़ संगम की प्रस्तुति दी। प्रस्तुति में हारमोनियम बांसुरी, तबले और पखावज के साथ नर्तकों की संगत देखते ही बनती थी।

दिल्ली की ए.मंदाकिनी स्वैन ने चक्रधर समारोह में राग जोश शैली से साजना मोरा घर आवै गाकर सब का मन मोह लिया। इसके साथ ही उन्होंने श्याम कल्याण की भी प्रस्तुति दी। कोलकाता से पहुंचे प्रसिद्ध सरोद वादक सौगत गांगुली की शानदार प्रस्तुति में पारंपरिकता और आधुनिकता का संपूर्ण संगम दिखा। सरोद की तरल ध्वनि जब तबले की थाप के साथ संगत से संगीत की गहराई, सूक्ष्मता और भावनात्मकता का अद्वितीय मेल देखने को मिला। दिल्ली की पद्मश्री रंजना गौहर ने ओडिसी नृत्य के माध्यम से कबीर का जीवन यात्रा को जीवांत कर दिया। रहस्यवादी कवि कबीर के जीवन के अलग-अलग पड़ावों, उनकी सीख और अनुभवों को साथी कलाकारों नृत्य मुद्राओं से रोचक तरीके से प्रस्तुत किया। प्रस्तुति के दौरान कबीर के दोहों और भजन पर सुरमयी और लयबद्ध प्रस्तुति भी दी गई।

चक्रधर समारोह में लोक गायक श्री विजय शर्मा एवं टीम के छत्तीसगढ़ी गानों से दर्शकों का दिल जीत लिया। उनके द्वारा गाए कोरी-कोरी नारियल चढ़े, महुआ झरे गानों पर दर्शक झूम उठे। भोपाल की शास्त्रीय गायिका सुश्री वाणी राव ने अपने मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति दी।

बुजुर्गों का सम्मान करने वाला समाज करता है तरक्की-देवांगन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिस समाज में बुजुर्गों का मान सम्मान होता है, वही समाज तरक्की करता है। इनके प्रति आदर भाव जगा कर हम अपनी सभ्यता और संस्कृति का संरक्षण कर सकते हैं। बुजुर्गों का सम्मान ही हमारी संस्कृति का परिचायक है। आज बच्चों के लिए पहले गुरु उसके माता-पिता होते हैं। दादा-दादी व नाना-नानी बच्चों में संस्कार की सीख देते हैं।

उक्त बातें वाणिज्य उद्योग और श्रममंत्री लखनलाल देवांगन ने बालको नगर स्थित अनुभव भवन में वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति के 18 वां स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि की आसंदी से कही। मंत्री लखनलाल देवांगन ने समिति के अनुभव भवन में बने नवनिर्मित भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया। समिति की मांग पर भवन के ऊपरी तल पर अतिरिक्त भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपए विधायक निधि से देने की घोषणा की। साथ ही 4 एयर कंडीशनर और 2 टीवी प्रदाय की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों का सम्मान करना हमारी परंपरा है। वृद्धजनों से हमें प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सदैव मार्गदर्शन मिलता है। देश में सर्वाधिक युवा है, बुजुर्ग उन्हें मार्गदर्शन देते रहें तो भारत को अग्रणी देश बनाया जा सकता है। श्रममंत्री श्री देवांगन ने कहा कि संयुक्त परिवार में बुजुर्गों की सदा आवश्यकता महसूस की जाती है। वरिष्ठजनों की जिम्मेदारी है कि वे अपने अनुभव का लाभ आने वाली पीढ़ी को आशीर्वाद के तौर पर दें। युवाओं की ऊर्जा और वरिष्ठजनों के अनुभव से ही समाज और देश समृद्ध होगा।

लैब ऑन व्हील्स के द्वारा दूरस्थ ग्रामीणों की घर बैठे होगी स्वास्थ्य जांच : मंत्री लखन लाल देवांगन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कैबिनेट मंत्री देवांगन ने हरी झंडी दिखाकर लैब ऑन व्हील्स के राइडर्स को किया रवानाकैबिनेट मंत्री देवांगन ने हरी झंडी दिखाकर लैब ऑन व्हील्स के राइडर्स को किया रवानाकैबिनेट मंत्री देवांगन ने हरी झंडी दिखाकर लैब ऑन व्हील्स के राइडर्स को किया रवानाकैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने हरी झंडी दिखाकर लैब ऑन व्हील्स के राइडर्स को किया रवानाकैबिनेट मंत्री देवांगन ने हरी झंडी दिखाकर लैब ऑन व्हील्स के राइडर्स को किया रवानाकैबिनेट मंत्री देवांगन ने हरी झंडी दिखाकर लैब ऑन व्हील्स के राइडर्स को किया रवानाकैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने हरी झंडी दिखाकर लैब ऑन व्हील्स के राइडर्स को किया रवाना

जिले के सुदूर वनांचलों मे निवासरत ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन की पहल से लैब ऑन व्हील्स कार्यक्रम का शुभारंभ आज कोरबा जिले में वाणिज्य, उद्योग व श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन द्वारा किया गया। मंत्री श्री देवांगन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जिले में प्रारंभ किए गए नवाचार - लैब आन व्हील्स के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों के ग्रामीणों को अनेक बीमारियों की जांच की नि:शुल्क सुविधा अपने घर बैठे प्राप्त होगी। जिससे ग्रामीणों को अपनी बीमारियों की जांच के लिए दूर शहर तक नहीं जाना पड़ेगा एवं इससे उनकी धन व कीमती समय की भी बचत होगी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को समय रहते होने वाली बीमारियों की जानकारी मिलने से इलाज में आसानी होगी एवं व्यक्ति के बीमारियों से ग्रसित होकर गंभीर स्थिति निर्मित्त होने से बचा जा सकेगा। इस कार्यक्रम के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में संग्रहित सैंपल को लैब ऑन व्हील्स राइडर्स द्वारा अपने विकासखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचाया जाएगा। जहां सैंपल की जांच की जाएगी एवं रिपोर्ट तैयार होने के बाद राइडर्स द्वारा रिपोर्ट को प्राथमिक स्वास्थ्य केद्र तक पुन: वापस पहुंचाया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला कंवर, कलेक्टर श्री अजीत वसंत सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मंशानुसार कलेक्टर कोरबा के द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ोत्तरी हेतु अनेक प्रयास किए जा रहे है। इससे पहले डीएमएफ से स्वास्थ्य केद्रों में चिकित्सकों की व्यवस्था की गई है। इसी कड़ी में आगे कदम बढ़ाते हुए लैब ऑन व्हील्स कार्यक्रम का प्रारंभ किया जा रहा है। इसी तरह जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार हेतु डीएमएफ की राशि से जर्जर स्वास्थय केद्रों के मरम्मत एवं नए भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। दूरस्थ क्षेत्रों के प्राथमिक स्वास्थ्य केद्रो में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मचारियों को सुविधा देने के लिए के लिए आवास का निर्माण एवं सुरक्षा हेतु बाउंड्रीवाल का भी निर्माण किया जाएगा। शिक्षा क्षेत्र में सुधार हेतु जर्जर आश्रम छात्रावास, स्कूल भवन, आंगनबाड़ी का मरम्मत एवं भवन विहीन स्कूल आंगनबाड़ी के लिए भवन निर्माण की भी स्वीकृति दी गई है।

पुख्ता होनी चाहिए धान खरीदी व्यवस्था

खाद्यमंत्री ने खरीफ सीजन के लिए अफसरों को दिए निर्देश, कई विभागों के कामकाज की समीक्षा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आगामी खरीफ सीजन में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए राज्य सरकार द्वारा तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। खाद्यमंत्री दयालदास बघेल ने खाद्य विभाग के अधिकारियों को धान खरीदी के लिए सभी आवश्यक इंतजाम करने के लिए तैयारी शुरू करने कहा है।

उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए बारदाने की व्यवस्था, धान खरीदी में इंटरनेट कनेक्शन, कम्प्यूटर और नापतौल उपकरणों को दूरूस्त करने के निर्देश दिए हैं। वे यहां नवा रायपुर स्थित खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर काम-काज की समीक्षा कर रहे थे।

खाद्य मंत्री श्री बघेल ने बैठक में कहा कि समर्थन मूल्य में धान खरीदी के दौरान किसानों से इस बात की शिकायत नहीं आनी चाहिए कि उनसे अधिक धान लिया जा रहा है। इसलिए धान खरीदी केन्द्रों के नापतौल के उपकरणों को दूरूस्त कर लिया जाए। उन्होंने राशनकार्ड के वितरण में आ रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि जिन राशनकार्डों का नवीनीकरण नहीं हुआ है। उन राशनकार्डों को विधिवत सत्यापन की कार्यवाही जल्द पूरी कर ली जाए।

खाद्य मंत्री श्री बघेल ने नापतौल के अधिकारियों से कहा कि प्रदेश के सभी राशन दुकानों का सतत् रूप से निरीक्षण करें और राशन दुकानों में कम खाद्यान्न देने अथवा नापतौल संबंधित शिकायतों का जांच कर तत्काल निराकरण करें। उन्होंने वेयरहाउस कार्पोरेशन के कार्यों की समीक्षा में कहा कि खाद्यान्न गोदामों से जो भंडारण होता है उसकी गुणवत्ता एवं वजन की जिम्मेदारी वेयरहाउस कार्पोरेशन के अधिकारियों की है। भंडारण सामग्री की गुणवत्ता एवं वजन में कमी अथवा किसी भी प्रकार की लापरवाही होती है तो संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

मुख्यंमत्री ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में उठाए महत्वपूर्ण कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महतारी वंदन योजना : जशपुर जिले की 2 लाख से अधिक महिलाओं को मिला लाभमहतारी वंदन योजना : जशपुर जिले की 2 लाख से अधिक महिलाओं को मिला लाभ

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के तहत् महिलाओं को महतारी वंदन योजना की राशि दी जा रही है। योजना से महिलाओं को आर्थिक सम्बल और हाथों में एक निश्चित राशि मिल रही है, जिसका उपयोग महिलाएं परिवार की छोटी-मोटी जरूरतों के उपयोग में कर रही हैं। यह योजना जरूरतमंद महिलाओं के लिए मुश्किल समय का सहारा बन गई है। साथ ही निर्भय होकर अपने जिम्मेदारियों का भी निर्वहन कर पा रही हैं। छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना की अब तक सातवीं किस्त जारी कर दी गई है। जशपुर जिले की 2 लाख 32 हजार 760 महिलाओं को इस योजना का लाभ मिला है।

महिलाओं ने कहा कि महतारी वंदन योजना से प्रत्येक माह एक-एक हजार मिल रही है, जिससे वे बहुत खुश हैं और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद दिए हैं। महिलाओं ने कहा कि योजना से मिलने वाली राशि को अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए लगाएंगें। प्रति माह 1000 राशि खाते में आने से राहत मिलने के साथ ही बच्चों के बेहतर भविष्य गढ़ने में मदद मिल पाएगी। कुछ महिलाओं ने बताया कि राशि का उपयोग अपनी बेटी के लिए सुकन्या समृद्धि योजना में निवेश करेंगे, जिससे आने वाले समय में उनके काम आ सके। महिला सशक्तिकरण की दिशा में आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनने के लिए महतारी वंदन योजना एक कारगर कदम है। जशपुर सहित प्रदेश भर की महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा इस योजना की शुरूआत की गई है।

मुख्यमंत्री साय की तत्परता से बची राधेलाल नाग की जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के संवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की संवेदनशीलता एवं त्वरित पहल से कांकेर जिले के अंतागढ़ ब्लॉक के नगर पंचायत अध्यक्ष राधेलाल नाग की बाढ़ में फंस जाने के बाद जान बची। मुख्यमंत्री श्री साय को राधेलाल नाग के वाहन सहित क्षेत्र के महला नाले में सहसा आई बाढ़ में बह जाने की खबर मिली। मुख्यमंत्री श्री साय की तत्परता से उन्हें त्वरित मदद मिली। उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला गया। श्री नाग ने मुख्यमंत्री श्री साय को उनकी तत्परता के साथ मदद हेतु रेस्क्यू टीम भेजने के लिए आभार माना। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस दौरान मौके पर पहुंचे अंतागढ़ विधायक विक्रम उसेण्डी से फोन पर श्री नाग का हालचाल जाना।

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में भारी बारिश में प्रतापपुर थाना क्षेत्र के महला गांव के पास नदी में अचानक बाढ़ आ गई थी। नदी के तेज बहाव में अंतागढ़ नगर पंचायत अध्यक्ष राधेलाल नाग की कार बह गई थी। उन्होंने और उनके साथियों ने पेड़ पर चढ़कर अपनी जान बचाई पर सुरक्षित बाढ़ से बाहर नहीं निकल पा रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय विधायक विक्रमसिंह उसेंडी, पुलिस और बीएसएफ के जवान भी मौके पर पहुंचे और जवानों ने रेस्क्यू कर सभी की जान बचाई।

खास खबर

फरार पशु तस्कर पकड़ाया, तीन माह पहले पिकअप छोड़कर हुआ था फरार

जशपुर। पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह द्वारा मवेशी तस्करों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है, पुलिस द्वारा निरंतर पशु तस्करों के विरूद्ध कार्यवाही हुये सैंकड़ों मवेशियों को जब्त किया गया है एवं फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा रहा है।

6 जून को थाना लोदाम क्षेत्र में एक पिकअप वाहन पोरतेंगा एवं लोखंडी के बीच जंगल में नाकाबंदी कर रोकने का प्रयास किया गया, किन्तु उक्त वाहन की चालक ने पुलिस को देखकर पीकअप वाहन को लगभग 100 की गति से चलाते हुये रोड में भाग रहा था। पुलिस की घेराबंदी देख वाहन के चालक ने कुछ दूर जाकर पीकअप को रोड के किनारे खड़ी कर जंगल की ओर भाग गया। पुलिस द्वारा उक्त वाहन से कुल 11 नग मवेशी बरामद कर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना लोदाम में छ.ग. कृषि पशु परि.अधि. 2004 की धारा 4, 6, 10 एवं पशु क्रूरता अधि. की धारा 11 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया एवं अज्ञात आरोपी की पतासाजी की जा रही थी। तीन माह बाद प्रकरण के आरोपी पुनित कुमार साहू निवासी मुर्गु थाना सिसई (झारखंड) को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। एसपी शशि मोहन सिंह द्वारा कहा गया है कि जिला पुलिस जशपुर द्वारा पशु तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है, अभियान में निरंतर सफलता मिल रही है, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये स्पेशल टीम को लगाया गया है।

नारी सुरक्षा पर वर्कशॉपः विधायक गोमती साहू ने कहा आज की नारी बड़े पदों पर कर रही है काम

वर्कशॉप के दौरान जशपुर पुलिस ने नोनी रक्षा रथ के कार्य एवं महिला सुरक्षा हेतु हेल्पलाईन नंबर 9479128400 की दी जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। नारी सुरक्षा एवं सायबर जागरूकता को लेकर पत्थलगांव के मैरिज गार्डन में वृहद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगण, पुलिस विभाग के अधिकारी व कर्मचारी, विधार्थीगण एवं वृहद संख्या में लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का आगमन पश्चात् दीप प्रज्जवलन कर उनका स्वागत किया गया। पत्थलगांव के जोगपाल स्कूल के विधार्थियों द्वारा गणेश वंदना पर शानदार प्रस्तुती की गई एवं नोनी रक्षा दल द्वारा क्षेत्रों में जाकर जिस प्रकार महिलाओं से संबंधित विषयों पर कार्य कर रही है, उसका शानदार तरीके से नाटकीय दृश्य प्रस्तुत विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

पत्थलगांव विधायक गोमती साय ने कार्यक्रम को संबोधित कर महिलाओं के उत्थान के संबंध में शासन द्वारा किये जा रहे विभिन योजनाओं के बारे में जानकारी दिया गया, उनके द्वारा कहा गया कि नारी सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाना प्रथम उद्देष्य होना चाहिये। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मनुष्य जीवन जीने के लिये आत्मनिर्भर होना अत्यंत आवष्यक है, नारी शक्ति आज हमारे देश में बड़े-बड़े उद्योग एवं बड़े पदों पर कार्य कर रही हैं। उन्होनें अपने स्वयं के बारे में उदाहरण देते हुये बताया कि एक छोटे से ग्राम में रहने वाली बेटी देश की सांसद भी जा चुकी है। आज की महिलायें बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है। मैं देश के अनेकों दूर-दराज एवं विभिन्न जगहों पर गई हूं और लोगों को समझने का प्रयास किया है। विधायक गोमती साय ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी सफ्लता की परचम लहरा रही है, मैं वीर रस की प्रशंसक हूं, महिलाएं अपने भीतर ओज भरे और अपनी भूमिका का निर्वहन वीरता के साथ करे। जशपुर जिले में पुलिस अत्यंत सजग होकर बहुत अच्छा कार्य कर रही है एवं एक सजग प्रहरी की तरह अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए संवेदनशील होकर कार्य कर रही है।

घरेलू हिंसा व अत्याचार के खिलाफ आगे आएं महिलाएं

पुलिस अधीक्षक जशपुर शशिमोहन सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि महिलायें एवं बालिकायें जागरूक होकर महिला अत्याचार, घरेलू हिंसा के विरूद्ध आवाज उठायें, उन्हें तत्काल पुलिस सहायता मिलेगी। उनके द्वारा अपने अभिनय किये गये प्रेरक शॉर्ट फ्ल्मि गोमती, वन टू का फेर इत्यादि दिखाकर उपस्थित लोगों को जागरूक किया गया। फ्ल्मिें जो दिखाई गई है वह सभी फ्ल्मिों में आमजनों को होने वाली परेशानियों पर फ्ल्मिाया गया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा ग्राउंड लेवल पर महिलाओं को जागरूक करने की आवश्यकता बताये और इससे संबंधित आरोपियों को सजा दिलाने हेतु आगे आना होगा बताये। पुलिस अधीक्षक द्वारा नोनी रक्षा रथ के बारे में एवं हेल्पलाईन नंबर 9479128400 के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुये 24 घंटे कॉल करके मदद ली जा सकती है।

सोशल मीडिया फ्रॉड से बचें

नोनी रक्षा रथ की नेतृत्वकर्ता एसडीओपी बगीचा निमिषा पाण्डेय ने बताया कि आजकल सभी लोग सोशल मीडिया का प्रयोग करते हैं, सोशल मीडिया जैसे- इंस्टाग्राम, फेसबुक, व्हाट्सअप पर सिक्योरिटी पासवर्ड के साथ सावधानी से प्रयोग करने हेतु बताया गया। अनजान लिंक, फ्रेड रिक्वेस्ट व कॉलिंग से बचने हेतु कहा गया। निजी जानकारी एवं फोटो वीडियो किसी को भी शेयर नहीं करने हेतु कहा गया। सस्पेक्टेड लिंक को क्लिक नहीं करने हेतु कहा गया, बाहर पढ़ रहे बच्चों या सदस्यों की लोकेशन जानने के लिये उनके मोबाईल पर जीपीएस लोकेटर डाउनलोड करने हेतु सलाह दी गई। मोबाईल पर फेस लॉक या फिंगरप्रिंट लगाकर ना रखें, अपने घर के पारिवारिक सदस्य का नंबर हमेशा डायल करके इमरजेंसी के तौर पर रख सकते हैं। कार्यक्रम का उद्देष्य नारी सुरक्षा एवं सायबर जागरूकता को वृहद रूप से जन-जन तक पहुंचाना जशपुर पुलिस का उद्देष्य है। छेड़खानी होने से परेशान होने पर तत्काल हेल्पलाईन नंबर 9479128400 में कॉल करके 24 घंटे मदद ली जा सकती है।

कार्यक्रम में जनप्रतिधि सुनील गुप्ता ने कहा कि आज शिक्षा हो या राजनीति हर क्षेत्र में पुरूषों की तुलना में महिलायें बहुत आगे हैं, महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ किसी प्रकार की अप्रिय घटना होने पर घटना का सहभागी न बनें एवं अपराधों को छिपाने का प्रयास न करें, अंधविष्वास के चक्कर में नहीं पड़ने की सलाह दी गई। कार्यक्रम का बखूबी संचालन समाजसेवी श्री प्रवीण अग्रवाल के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी, एसडीओपी पत्थलगांव धुर्वेश कुमार जायसवाल, रेखा सिंह, रीना गर्ग, अनिल मित्तल, हरजीत सिंह भाटिया, मनीष अग्रवाल, अवधेष गुप्ता, अंकित बंसल, सुरेन्द्र बेसरा, रोशन प्रताप सिंह, सुरेश साहू, रेणू विश्वास, भुनेश्वरी बेहरा, पत्थलगांव निरीक्षक विनित पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

जवाहर नगर में ब्राउन शुगर बेच रहे थे बदमाश पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा, पांच आरोपी गिरफ्तार

■ **एक लाख रुपए से ज्यादा का ब्राउन शुगर बरामद, पंजाब से आया था नशे का सामान**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर थाना क्षेत्र में ब्राउन शुगर बेचते पांच बदमाश पुलिस की गिरफ्त में आए। पांचों बदमाशों के पास से पुलिस ने 11.60 ग्राम मादक पदार्थ ब्राउन शुगर (चिट्टा) कीमती लगभग 1 लाख 16 हजार रुपए बरामद किया। पुलिस ने इनके पास से नगदी लगभग 2500 रुपए, 4 मोबाइल और 3 स्कूटी भी जब्त किया है। वैशाली नगर पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 21 (ख), 27 (क) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर ज्युडिशियल रिमाण्ड पर भेजा गया।

बता दें दुर्ग जिले में अवैध मादक पदार्थ की बिक्री एवं परिवहन करने बालो के उपर अंकुश लगाने पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला, एएसपी सुखनंदन राठौर, सीएसपी छावनी सत्यप्रकाश तिवारी के निर्देशन में चलाये जा रहे नशे के विरूद्ध संकल्प एक युद्ध नशे के विरूद्ध अभियान के मद्देनजर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में सोमवार को मुखबिर से सूचना मिली कि जवाहर नगर स्पोटर्स काम्प्लेक्स के पीछे मंकिनम्मा मंदिर के पास कुछ लोग मादक पदार्थ (चिट्टा) विक्री करने ग्राहक की तलाश कर रहे हैं। सूचना पर वैशाली नगर थाना प्रभारी ममता अली शर्मा ने तत्काल थाना वैशाली नगर की पुलिस टीम गठित कर मौके पर रवाना किया गया।

मुखबिर के बताए अनुसार पुलिस की टीम जब मौके पर पहुंची तो पांच युवक भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर सभी पांचों युवकों को पकड़ा। पकड़े गए युवकों में सेक्टर-7 सड़क 21 निवासी रूप सिह, रामनगर निवासी गुरजीत सिंह, कैंप -1 18 नंबर रोड निवासी राजा सिंह, वैशाली नगर निवासी गगनदीप सिंह व कैंप 1 निवासी प्रवीण दुबे शामिल है। पूछताछ में बताया कि इन लोगों ने ब्राउन शुगर शेर सिंह उर्फ शेरा निवासी कैम्प 1 वृंदा नगर से लिया था। शेर सिंह पंजाब से चिट्टा लेकर आता है। तलाशी लेने पर रूप सिंह के पास से 2.10 ग्राम चिट्टा, आरोपी गुरजीत के कब्जे से 1.90 ग्राम चिट्टटा, आरोपी राजा सिंह के पास से 2.90 ग्राम चिट्टा, आरोपी गगनदीप सिंह के पास से 2.40 ग्राम चिट्टा एवं आरोपी प्रवीण के पास से 2.30 ग्राम कुल वजन 11.60 ग्राम मादक पदार्थ चिट्टा बरामद किया गया। इस पूरी कार्रवाई में एएसआई उदय शंकर झा, आरक्षक राजेश सिन्हा, जितेन्द्र सिंह, नितेश पाण्डेय, दिनेश जयसवाल, भूपेन्द्र बघल की सहरानीय भूमिका रही।

तेज बारिश के कारण नाले में आया उफान, सुपेला में बह गया शख्स, दो घंटे बाद मिला शव

भिलाई। सोमवार को तेज बारिश के कारण सुपेला घड़ी चौक के नजदीक नाले के बहाव में बहने से शख्स की मौत हो गई। बारिश के कारण पानी भरा हुआ था और शख्स को नाले का अंदाजा ही नहीं हुआ। देखते ही देखते वह बह गया। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने उसे निकालने का प्रयास किया लेकिन वह हाथ नहीं आया। हादसे के बाद पानी के बहाव के कारण शख्स का कुछ पता नहीं चला। बहाव कम होने के बाद दूसरी छोर से शख्स को निकाला गया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

सुपेला घड़ी चौक पर हाइवे किनारे लक्ष्मी मेडिकल स्टोर्स के सामने बह रहे नाले में सोमवार शाम को तेज बारिश के कारण उफ्नन आ गया। देखते ही देखते सड़क पर पानी भर गया। भारी बारिश के बाद भी लोग निकल रहे थे। इस दौरान एक शख्स गहरे नाले में समा गया और तेज बहाव में बह गया। काफी तलाश के बाद भी शख्स का पता नहीं चला। लगभग एक घंटे से भी ज्यादा देर के बाद जब बहाव थोड़ा कम हुआ तो शख्स दिखा। आसपास जमा लोगों ने उसे बाहर निकाला।

धमतरी में मोमोज खाने के बाद आधा दर्जन लोग बीमार अस्पताल में भर्ती, फूड डिपार्टमेंट ने दुकान पर मारी रेड

धमतरी (ए.)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में मोमोज खाने लगभग आधा दर्जन लोग बीमार पड़ गए हैं। घटना के बाद सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद फुड डिपार्टमेंट में हलचल मच गई। फूड एवं सेफ्टी विभाग की टीम ने मोमोज बनाने वाले के घर दबिश देकर मोमोज सहित अन्य सामग्रियों को जब्त किया। विभाग जब्त मोमोज व अन्य सामान जांच लिए भेजा है।

मिली जानकारी के अनुसार धमतरी शहर रामबाग चौक पर मोमोज खाना लोगों को भारी पड़ गया। ठेले पर मोमोज खाने वाले करीब 6 से 8 लोग को बीमार हो गए। मोमोज खाने वालों को पेट में दर्द और उल्टी होने लगी। ज्यादा तबीत बिगड़ने पर धमतरी के बठेना अस्पताल में इलाज कराया गया। डॉक्टर ने बताया इन सभी को फूड प्वाइजनिंग हो गई। अस्पताल में लगभग 6 लोग फूड पॉइजनिंग की शिकायत लेकर पहुंचे। सभी ने बताया कि उन लोगों ने रामबाग में मोमोज खाया था।

इधर फूड एवं सेफ्टी विभाग को सूचना मिलते ही तुरंत हरकत में आई और मोमोज संचालक के घर में छापा मारा गया। इस दौरान मोमोज सहित उसमें इस्तेमाल होने वाले सामानों को जब्त किया गया है। साथ ही सभी का सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेज दिया गया है। खाद्य विभाग केअधिकारियों ने बताया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पिकनिक स्पॉट में डूबने से दसवीं के छात्र की मौत, पांच दिन बाद मिला शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर रामनुजगंज। जिले के प्रमुख आस्था के केंद्रों में एक शिवगढ़ी मंदिर के पुजारी के 15 वर्षीय पुत्र 3 सितंबर को स्कूल जाने के नाम से निकला था। जिसके बाद से ही वह लापता था। स्वजनों के द्वारा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस के द्वारा पतासाजी की जारी थी इस बीच सूचना पर पिकनिक स्पॉट परेवादह में डीडीआरएफ एवं कोतवाली पुलिस के संयुक्त रूप से घंटो खोज के बाद शव सोमवार को बरामद किया घटना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम करा शव स्वजनों को सौंप दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवगढ़ी मंदिर के पुजारी दिनेश शुक्ला के 15 वर्षीय पुत्र नीरनिमेष शुक्ला जो कक्षा दसवीं में पड़ता था वह स्कूल के लिए 3 सितंबर घर से निकला था। जब वह शाम तक घर नहीं आया तो घर वालों के द्वारा खोजबीन की जाने लगी परेशान होकर घर वालों ने इसकी सूचना थाने में दी थी। स्वजनों एवं पुलिस के द्वारा लगातार खोजबीन की जारी थी परंतु कुछ पता नहीं चल पा रहा था इस बीच रविवार को पुलिस को पता चला कि वह अपने दोस्तों के साथ परेवादह गया था पता चलते ही पुलिस एवं डीडीआरएफकी टीम रविवार के दोपहर से खोजबीन चालू कर दी थी। रविवार के देर शाम तक कुछ पता नहीं चलने के बाद आज सुबह 8 ।बजे से पुनः टीम के द्वारा खोजबीन की जाने लगी। घटनास्थल से करीब आधा किलोमीटर की दूरी पर नदी के किनारे शव को सुबह करीब 11:15 के करीब बरामद किया गया।

नीरनिमेष 3 सितंबर को स्कूल जाने के नाम पर बस्ता लेकर घर से निकला था परंतु वह स्कूल न जाकर अपने 3 दोस्तों के साथ परेवादह चला गया था जहां दोपहर में नहाने के दौरान डूब गया था। दोस्तों ने काफी देर इंतजार किया कि दोस्त निकल जाएगा जब वह नहीं निकला तो साथ में गए दोस्त वहां से चल दिए और डर के मारे उन्होंने किसी को कुछ नहीं बताया जब पुलिस के द्वारा पूछताछ की गई तो उन्होंने घटना की जानकारी दी तब जाकर पुलिस के द्वारा शव को बरामद किया गया। जिला मुख्यालय से महज 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग 343 के किनारे परेवादह पिकनिक स्पॉट में पहले भी डूबने से मौत हो चुकी है कुछ वर्ष पूर्व रामानुजगंज के दो युवक की मौत डूबने से हुई थी।

भिलाई निगम के चौकीदार पर अवैध वसूली का आरोप, आयुक्त ने किया सस्पेंड

■ **राजस्व अधिकारी बनकर लोगों से ले रहा था जबरदस्ती पैसे, निगम ने जारी की अपील**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई में चौकीदार के पद कार्यरत धर्मरक्षक पाठक को आयुक्त देवेश ध्रुव ने सस्पेंड कर दिया है। उसके खिलाफ यह कार्रवाई राजस्व अधिकारी बनकर अवैध निर्माण करने वाले लोगों से पैसा वसूली करने के आरोप में की गई है।

भिलाई नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी अजय शुक्ला ने बताया कि, धर्मरक्षक पाठक नाम का व्यक्ति निगम में चौकीदार के पद पर कार्यरत है। उसके खिलाफशिकायत मिली थी कि वो राजस्व अधिकारी बनकर अवैध निर्माण करने वाले लोगों से अवैध वसूली करता है। भिलाई नगर निगम क्षेत्र में बिना निगम की परमिशन के जितने भी लोग मकान और अन्य निर्माण कर रहे हैं, वहां धर्मरक्षक पाठक पहुंच जाता था। वो खुद को नगर निगम भिलाई का राजस्व अधिकारी बताता था। इसके बाद उनका निर्माण गिराने की धमकी देकर उन पर दबाव बनाना था। बाद में जब वो लोग उसके दबाव में आ जाते थे तो वो उनसे रुपए लेता था। बताया जा रहा है कि चौकीदार द्वारा इस प्रकार कई लोगों से वसूली कर चुका था। लोगों की शिकायत निगम तक नहीं पहुंची इस वजह से कार्रवाई नहीं हो पा रही थी। अब जब शिकायत मिली है तो कार्रवाई की गई।

अवैध निर्माण करने वाले से की 5 हजार रुपए की मांग

स्मृति नगर निवासी सिद्वार्थ चक्रवर्ती ने निगम में इसकी शिकायत की है। उसने बताया कि वो रजिस्टर्ड भूखण्ड पर नियमानुसार मकान निर्माण कर रहा था। धर्मरक्षक पाठक वहां पहुंचा। उसने खुद को निगम का राजस्व अधिकारी बताया। उसने सिद्धार्थ चक्रवर्ती के भाई कौशिक चक्रवर्ती को धमकी दी कि उसके द्वारा अवैध निर्माण किया जा रहा है। उसे उसकी शिकायत प्राप्त मिली है। उसने कहा कि, यदि वो 5 हजार रुपए उसे देगा तो वो मामले को रफादफा कर देगा। नहीं दिया तो उसके खिलाफ बेदखली की कार्रवाई करके उसका मकान तोड़ देंगे। कौशिक ने डर के मारे एक हजार रुपए धर्मरक्षक को ऑनलाइन ट्रांसफ्र कर दिए। जब सिद्धार्थ इसका पता चला तो उसने पेमेंट का स्क्रीन शॉट लेकर निगम आयुक्त से लिखित शिकायत की।

भिलाई निगम ने अपील जारी कर सावधान रहने कहा

भिलाई नगर निगम के आयुक्त की कार्रवाई के बाद निगम प्रशासन को एक अपील जारी करना पड़ा। निगम ने अपील में कहा कि, लोग धर्मरक्षक पाठक से सावधान रहें। वो कभी भी किसी भी जगह जाकर लोगों को धमकाकर पैसा ले सकता है। इस तरह का कोई भी कृत्य करते पाए जाने पर नगर निगम भिलाई के राजस्व विभाग को तुरंत सूचित करें। इसके अलावा कोई भी निगम का कर्मचारी या अफसर इस तरह की अनैतिक वसूली करता है तो इसी सूचना निगम दफ्तर में दें।

कार्यालय कलेक्टर (नाजरात शाखा) दुर्ग

क्रमांक / / जिला नाजिर / निविदा/2024 दुर्ग, दिनांक /09/2024

निविदा

जिला कार्यालय दुर्ग परिसर में सायकल / स्कूटर स्टैण्ड का संचालन हेतु निविदा आमंत्रण

जिला कार्यालय दुर्ग परिसर में वाहन स्टैण्ड के संचालन हेतु **दनिांक 16 सितम्बर 2024 से 31 मार्च 2025 तक** के लिये निविदा **दिनांक 11.09.2024 दोपहर 2.00 बजे तक** स्पीड पोष्ट/ पंजीकृत डाक से आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र एवं निविदा नियम, शर्तों अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से **रुपये 500.00 रुपये नगद भुगतान** कर प्रकाशन दिनांक से **दिनांक 10.09.2024 तक** स्वतः उपस्थित होकर **दोपहर 2.00 बजे** तक प्राप्त किया जा सकता है। निविदा की शर्ते तहसील कार्यालय, दुर्ग एवं जिला कार्यालय, दुर्ग के नोटिस बोर्ड में अवलोकन किया जा सकता है एवं दुर्ग जिले के वेबसाइड **durg.gov.in** पर भी देखा जा सकता है।

निविदा **अंतिम तिथि दिनांक 11.09.2024 दोपहर 02.00 बजे तक** इस कार्यालय में स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक से निर्धारित समयावधि में प्राप्त हो जाना चाहिए, विलंब से प्राप्त निविदा मान्य नहीं होगी। निविदा जिला कार्यालय के प्रभारी अधिकारी (नाजरात शाखा के समक्ष) **दिनांक 12.09.2024 को शाम 05.00 बजे** खोली जावेगी। निविदा खोलते समय निविदादाता स्वयं या उनका एक प्रतिनिधि उपस्थित रह सकता है।

केवल उसी निविदादाताओं की निविदा को मान्य किया जावेगा, जो प्रभारी अधिकारी नाजरात शाखा जिला कार्यालय, दुर्ग के कार्यालय से नियमानुसार निविदा प्रपत्र प्राप्त किया है। निविदा लिफाफे के ऊपर सायकल / स्कूटर स्टैण्ड निविदा स्पष्ट लिखा जाना आवश्यक है।

डिप्टी कलेक्टर
वास्ते - कलेक्टर, दुर्ग

जी-242502347/3

गौ-आधारित प्राकृतिक खेती खोलेगी खुशहाली का रास्ता : मुख्यमंत्री

हर साल किसान दिवस के रूप में मनाएं बलराम जयंती, सीएम साय का आह्वान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि गौ-आधारित प्राकृतिक खेती किसानों के लिए खुशहाली और समृद्धि का रास्ता खोलेगी। जैविक खेती से जुड़कर धान के कटोरे के किसान समृद्ध होंगे। जैविक एवं प्राकृतिक खेती पर स्थानीय इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने इस मौके पर भगवान श्री बलराम जी की जयंती को हर वर्ष किसान दिवस के रूप मनाने का आह्वान भी किया। गौ-आधारित जैविक और प्राकृतिक खेती करने वाले तथा इस क्षेत्र में किसानों को प्रेरित करने वाले उत्कृष्ट किसानों को सम्मानित किया।

कार्यशाला में मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों को भगवान श्री बलराम जी जयंती की बधाई और शुभकनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश के किसानों की समृद्धि को प्राथमिकता में रखते हुए कृषक कल्याण मंत्रालय का गठन हुआ। इस मंत्रालय के माध्यम से खेती-किसानी की बेहतरी और किसानों की आय बढ़ाने पर काम हो रहा है। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए उद्यानिकी, मछलीपालन और पशुपालन जैसे क्षेत्रों में किसानों की भागीदारी बढ़ने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। इस मौके पर जैविक एवं प्राकृतिक खेती पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई। भगवान श्री बलराम जी की जयंती के मौके पर राजधानी सहित प्रदेश के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में किसान दिवस का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश की बड़ी आबादी अपनी आजीविका के लिए खेती-किसानी पर निर्भर है। आज कृषि के क्षेत्र में अनेक नवाचार हो रहे हैं, जिसका लाभ किसानों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पहले किसान साहूकार और महाजनों से अत्यधिक ब्याज दर पर पैसे लेने को मजबूर थे। हमारे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किसानों की पीड़ा को समझा और किसानों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की व्यवस्था की। किसानों को आज नि:शुल्क अथवा बहुत की कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश के किसानों को दो साल के धान के बकाया बोनस की राशि 3716 करोड़ रुपए किसानों को दिए। 21 क्विंटल प्रति एकड़ और 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से रिकार्ड 145 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए बजट में 2000 करोड़ रुपए से अधिक राशि का प्रावधान किया गया है। सिंचाई सुविधाओं के बढ़ने से किसानों की आय बढ़ेगी। साथ ही हम पुराने सिंचाई परियोजनाओं को दुरस्त करने का भी काम कर रहे है।

अखिल भारतीय किसान संघ के दिनेश कुलकर्णी ने गौ-आधारित प्राकृतिक खेती के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज जैविक एवं प्राकृतिक खेती की जरूरत है। मांग के अनुरूप प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें जैविक और प्राकृतिक खेती के लिए वैचारिक रूप से परिपक्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि गौ-आधारित जैविक एवं प्राकृतिक खेती के संबंध में गीता में उल्लेख है। उन्होंने कहा गौ पालन के लिए भगवान श्री कृष्ण ने स्वयं गौपालन कर लोगों को प्रेरित किया है।

कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के बीते इन 10 वर्षों में कृषि के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन आया है। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार ने किसानों को प्राथमिकता में लेकर किसान हित में नीतिगत् फैसले लिए हैं, जिससे किसान आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज दौर में हमें मांग अनुरूप हमें गौ-आधारित जैविक और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की जरूरत हैं, ताकि किसान की आर्थिक स्थिति और मजबूत बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व नीतिगत फैसलों और कार्यों से प्रदेश के किसान आज सामर्थ्यवान बन रहे है। किसान अब खेती-किसानी को व्यवसाय के रूप में अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश के किसानों में अच्छा वातावरण का निर्माण हुआ है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि भगवान श्री बलराम जी द्वारा कृषि के क्षेत्र में योगदान का स्मरण कराती है। वर्तमान दौर में जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर इस जयंती समारोह उद्देश्य को पूरा करने दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें कृषि वैज्ञानिकों के रिसर्च और वैज्ञानिक तकनीकियों और सहयोग से गौ-आधारित प्राकृतिक खेती की और आगे आने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जैविक और प्राकृतिक खेती के फायदे के बारे में भी किसानों को जानकारी होगी तभी भगवान श्री बलराम जी के जयंती का उद्देश्य भी पूरा होगा। स्वागत भाषण इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरिश चंदेल ने दिया। इस अवसर पर विधायक मोतीलाल साहू, अखिल भारतीय किसान संघ, छत्तीसगढ़ प्रान्त के अध्यक्ष सुरेश चन्द्रवंशी सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

जैन समाज में तपस्या की परंपरा- विष्णुदेव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जैन समाज द्वारा आयोजित सिद्धितपकी पूर्णहुति पर सिद्धिशिखर विजय उत्सव में बूढ़ापारा स्थित सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में शामिल हुए। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जैन समाज में तपस्या की परंपरा है, ऐसे तपस्या से छत्तीसगढ़ में खुशहाली आएगी और सुख-समृद्ध होगा। 11 साल के बेटे, 13 वर्ष की बेटी से लेकर 80 वर्ष की माता सहित कुल 114 तपस्वियों ने 44 दिन तक जैन परंपरा के अनुसार 4500 तरह के व्रत रखकर कठोर साधना की। जिनका आज हमने सम्मान किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जैन समाज के संत-मुनि बिना चरण पादुका के हजारों मील पैदल यात्रा करते हैं। खान-पान का संयम रखकर मानव समाज के कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा कि जैन धर्म एक ऐसा धर्म है, जहां पर गलतियों को स्वीकार करने और क्षमा मांगने की महान परंपरा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रभु राम के ननिहाल और माता कौशल्या की पुण्य भूमि पर पधारे संतों के चरणों को शत-शत नमन करता हूं। छत्तीसगढ़ को उनका आशीर्वाद हमेशा से मिलते रहा है, मैं ऐसी कामना करता हूं कि उनके आशीर्वाद से प्रदेश में खुशहाली आए हर घर में सुख-समृद्धि रहे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ को संतों का आर्शीवाद हमेशा से मिलता रहा है। संतों की प्रेरणा से यह आध्यात्मिक तपस्या संभव हुई। गुरूओं के आर्शीवाद से हमेशा ताकत और प्रेरणा मिलती रही है। डॉ. सिंह ने कहा कि प्रभु राम का ननिहाल हमेशा से शांति का टापू रहा है और यहां सुख-समृद्धि रहे ऐसी कामना है। ऐसे तपस्वी के बीच में आने का आज सौभाग्य प्राप्त हुआ है। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने जैन समाज के तपस्वियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी तपस्या से छत्तीसगढ़ की धर्मभूमि, कर्मभूमि सुखशाली, समृद्धिशाली बने। सभी संतों के प्रवचनों को जीवन में आत्मसात करें। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित अतिथियों ने तपस्वियों का अभिनंदन किया।

पूज्य जयपाल विजयजी महाराज ने भी उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि जैन धर्म अहिंसा और करूणा में विश्वास रखता है। उपभोक्तावाद को एक प्रकार की हिंसा मानता है। हमारे संत-मुनियों की तपस्या विश्व और राष्ट्र के कल्याण के लिए होती है। जैन धर्म के अचार-विचारों में एवरेस्ट की उंचाई और अंटलंटिक की गहराई भी है। उन्होंने कहा कि 114 तपस्वियों में अपनी कठिन तपस्या से सिद्धि शिखर पर विजय पताका लहराई है। इस अवसर पर पूज्य प्रियदर्शी विजयजी महाराज और पूज्य तीर्थ प्रेम विजयजी महाराज भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में विधायक राजेश मूणत, गजराज पगारिया, स्वरूप चंद जैन भी उपस्थित थे।

तीज मिलन समारोह में शामिल हुए साय

देश और प्रदेश की समृद्धि में योगदान दे रही हैं महिलाएं: डॉ. रमन सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी में छत्तीसगढ़ में महिलाओं के सबसे बड़े पारंपरिक पर्व तीज के मौके पर आयोजित तीज मिलन समारोह में शामिल हुए और बहनों को आशीष दिया। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा के राजधानी रायपुर स्थित निवास में आयोजित इस समारोह में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आई महिलाएं शामिल हुई। राजस्व मंत्री ने महिलाओं का परंपरागत रूप से स्वागत किया। इस अवसर पर लोक कलाकारों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने तीज मिलन के आई माताओं-बहनों को तीजा की बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह बहुत खुशहाली का अवसर है। तीज मिलन के इस अवसर पर बहनें यहां आईं हैं, मैं आप सभी का स्वागत करता हूं। तीजा में सुहागन महिलाएं निर्जला व्रत रखकर अपने पति की दीर्घायु जीवन की कामना लेकर शिव-पार्वती की पूजा करती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे धर्म में मान्यता है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: इसी मान्यता का अनुसरण करते हुए हमारी सरकार महिलाओं को हर महीने महतारी वंदन योजना की राशि जारी कर रही है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने समारोह में आई माताओं-बहनों को तीज मिलन की बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के तीज-त्यौहारों की परंपरा काफी समृद्ध है। यहां की महिलाएं पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खेत-खलिहानों में काम करके देश और प्रदेश की समृद्धि में योगदान दे रही हैं। छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ की महिलाओं में तेजी से शिक्षा और साक्षरता का प्रसार हुआ है। राज्य सरकार द्वारा भी महिलाओं को सशक्त करने के लिए अनेक कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। इससे राज्य की महिलाएं सशक्त हो रही हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने महिलाओं को तीज पर्व की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजस्व मंत्री ने न्यौता देकर तीज मिलन हेतु अपने घर पर बुलाया है। यह पूरे मातृ शक्ति का सम्मान है। इस मौके पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने छत्तीसगढ़ के लोक कवि भैय्या लाल हेड़ाऊ के गीत 'धन-धन तै मोरे किसान' गाकर सुमधुर प्रस्तुति दी। तीज मिलन के लिए राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा के निवास की विशेष सजावट की गई थी। इस अवसर पर परम्परागत ग्रामीण परिवेश की झलक दिखाई दी। राजस्व मंत्री के निवास में आयोजित तीज मिलन में राजनांदगांव के धरोहर सांस्कृतिक दल के कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुति पर माता-बहनों ने जमकर नाच गाकर तीज मिलन का लुफ्त उठाया।

इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक अनुज शर्मा, गुरु खुशवंत साहेब, मोतीलाल साहू, पूर्व सांसद सुनील सोनी उपस्थित रहे।

मनरेगा से संवरने लगे बिरसिया के सपने

कुंआ बनने से सिंचाई की समस्या हुई दूर अब पूरे खेतों में लहलहाती है फसल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिले के कोटा ब्लॉक के आदिवासी क्षेत्र ग्राम पंचायत चुरेली में मनरेगा से बने कुएं ने एक गरीब किसान परिवार की जिंदगी संवार दी है। हितग्राही श्रीमती बिरसिया के सपने अब साकार होने लगे। उन्होंने कहा कि खेती-किसानी के समय धानों को पर्याप्त मात्रा में पानी मिलने से सभी खेतों में फसल की पैदावार की जा रही है, जिससे खेती से उत्पादन में अच्छा मुनाफा मिल रहा है और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है। सरकार द्वारा मनरेगा योजना से दी जा रही सहायता उनके और परिवार के लिए काफी मददगार साबित हुई है।

श्रीमती बिरसिया ने बताया कि उनके पास लगभग 2.5 एकड़ की उपजाऊ भूमि है, लेकिन पानी एवं सिंचाई की पर्याप्त उपलब्धता न होने के कारण 1 से 1.15 एकड़ भूमि में ही फसल उगा पाती थी। उन्हें बहुत चिंता होती थी कि उनके आधे खेतों में फसल नहीं लग पाती थी। उन्होंने बताया कि ग्राम रोजगार सहायक के माध्यम से उन्हें कुंआ निर्माण करा लेने का सुझाव मिला, जिससे उन्हें हर मौसम में पानी की समस्या का समाधान मिल सकता था। बिरसिया बाई ने देर न करते हुए सुझाव को समझा और कुंआ निर्माण हेतु आवेदन कर दिया। पंचायत प्रस्ताव के माध्यम से मनरेगा योजना से कुंआ स्वीकृत हो गया। 387 मानव दिवस कार्य से कुंआ खुदाई का कार्य पूर्ण हुआ। कुंआ बनने के कुछ समय बाद ही कुंआ में जल भराव होना प्रारंभ हो गया। कुंआ निर्माण से बारह महीने पानी की समस्या का समाधान हो गया। जहां 1 से 1.5 एकड़ में ही फसल ले पाती थी। अब पूरे 2 एकड़ में फसल ले पाती हैं और अब दो फसल भी लगाती हैं। अब उन्हें बारिश पर निर्भर नहीं होना पड़ता। इस कुंआ से आसपास के लगभग 8 से 10 परिवार पीने का पानी के लिए भी कुंए का उपयोग करते हैं। कुंए के पानी से घर में ही अपनी बाड़ी बनाई है, जिससे घर परिवार के लिए सब्जियां मिल जाती है और फसल की पैदावार बढ़ने से आमदनी में भी बढ़ोत्तरी हुई है।

कमार परिवार की दो पीढ़ियों का सपना हुआ साकार

पीएम जनमन आवास योजना से संवर रहे हैं सपने,सास-बहू को मिला अपना पक्का घर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलौदाबाजार भाटापारा जिले के कसडोल विकासखंड अंतर्गत अंतिम छोर में स्थित वनांचल ग्राम बल्दाकछार की निवासी 76 वर्षीय चंदा बाई कमार और उनके पति मंगल सिंह कमार (80 वर्ष) का जीवन आर्थिक रूप से काफी संघर्षमय रहा। लिहाजा पक्का मकान उनके लिए एक सपने की तरह था लेकिन पीएम जनमन आवास योजना से आज उनका खुद का पक्का मकान हो गया है। वे कहते है कि उनके संघर्षपूर्ण जीवन का अंत एवं दो पीढ़ियों का सपना आज पीएम जनमन आवास योजना से पूरा हुआ है।

जिंदगी भर मजदूरी करके जैसे-तैसे अपनी जिंदगी का गुज़ारा करने वाले इस दंपति के पास इतने साधन नहीं थे कि वे खुद का पक्का मकान बना सकें। बरसों से झोपड़ी में रहते हुए उन्होंने कई उतार-चढ़ाव देखे,लेकिन एक सपना हमेशा उनके दिल में जिंदा था-अपने पक्के मकान का सपना।

हालांकि वक्त ने एक नया मोड़ तब लिया जब पीएम जनमन आवास योजना के तहत उन्हें अपना पक्का मकान बनाने का मौका मिला। चंदा बाई और उनके पति के लिए यह योजना किसी वरदान से कम नहीं थी। अब वे एक सुरक्षित और पक्के घर में रहने का सपना पूरा होते देख पा रहे हैं। चंदा बाई कहती हैं-'हमने कभी सोचा भी नहीं था कि इस उम्र में हम अपना खुद का मकान देख सकेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हमारा सपना सच कर दिखाया है।' श्रीमती चंदा बाई कमार की बहु श्रीमती बुधार बाई कमार ने दो साल पहले किशुनलाल से शादी की थी। हालांकि कुछ समय बाद वे अलग होकर अपने परिवार के साथ रहने लगीं। बुधार बाई और उनके पति बांस से झाड़ू, टुकना, सूपा आदि बनाकर अपनी आजीविका चलाते हैं। उनके दो बच्चे हैं। बेटी बबली जो कक्षा 7वीं में पढ़ रही है और बेटा शिवम जो अभी सिर्फ एक साल का है। बुधार बाई का परिवार भी पीएम जनमन आवास योजना से लाभांवित हुआ है। इस योजना के तहत उन्हें भी पक्का मकान मिला। जिससे उनका जीवन अब और अधिक खुशहाल हो गया। अब बुधार बाई अपने परिवार के साथ एक सुरक्षित और सुंदर घर में रहती हैं। वह कहती हैं ष्इस योजना ने हमें न सिर्फ छत दी बल्कि हमारे जीवन में स्थिरता और सम्मान भी दिया।

दो पीढ़ियों का सपना हुआ पूरा

चंदा बाई और बुधार बाई दोनों की कहानी यह साबित करती है कि पीएम जनमन आवास योजना ने केवल मकान ही नहीं बल्कि उनके जीवन में स्थिरता, सुरक्षा और सम्मान भी लाया है। सास और बहु दोनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके सपनों को हकीकत में बदलने में यह योजना मील का पत्थर साबित हुई है। चंदा बाई ने गर्व के साथ कहा, इस उम्र में अपने खुद के घर में रहना हमारे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है, हमे दो पीढ़ी बाद पक्का घर मिला। वहीं बुधार बाई ने कहा कि यह योजना हमारे बच्चों के भविष्य के लिए भी एक मजबूत नींव है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950